राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारित

सुरत-गुजरात,संस्करण गुरुवार, 17 फ़रवरी-2022 वर्ष-4,अंक-385 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

एनएसए अजीत डोभाल के आवास में घुसा एक अज्ञात व्यक्ति, पुलिस ने पकड़ा तो बोला- मेरे शरीर में किसी ने चिप लगा दिया है

एजेंसी । सुरक्षा एजेंसियों ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल के आवास में घुसने का प्रयास करने के आरोप में बेंगलुरु निवासी एक व्यक्ति को बुधवार को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि यह घटना सुबह करीब साढ़े 7 बजे हुई, लाल रंग की एक एसयूवी चला रहे व्यक्ति ने मध्य दिल्ली स्थित डोभाल के उच्च सुरक्षा वाले आवास के द्वार में जबरन घुसने का प्रयास किया। कार को प्रवेश द्वार के बाहर रोक दिया गया और व्यक्ति को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ)ने पकड़ लिया। एनएसए को सीआईएसएफ कमांडो की उच्च श्रेणी की जेड प्लस सुरक्षा प्राप्त है। घटना के समय डोभाल अपने घर में मौजूद थे। व्यक्ति को बाद में पुलिस को सौंप दिया गया। सूत्रों ने बताया कि कि आरोपी की पहचान बेंगलुरु निवासी शांतनु रेड्डी के रूप में की गई है और उसका मानसिक संतुलन ठीक नहीं लग रहा। अधिकारियों ने कहा कि कार नोएडा से किराए पर ली गई थी। अधिकारी ने कहा, ÷एक व्यक्ति ने बुधवार को एनएसए के घर में घुसने का प्रयास किया। सुरक्षा कर्मियों ने उसे रोका। जब उससे सवाल पूछे गए तो वह जवाब देने की स्थिति में नहीं था। वह मानसिक तौर पर अस्वस्थ है।

कांग्रेस का दावा गोवा में हमारी बन रही सरकार, बीजेपी ने कसा तंज, कहा- दिन में सपने देखना बंद करो

एजेंसी । भाजपा नेता सदानंद शेट तनवडे ने बुधवार को यह कहते हुए कांग्रेस पर कटाक्ष किया कि पार्टी को गोवा में पूर्ण बहुमत सीटों के साथ अगली सरकार का गठन करने का 'दिन में सपना देखना बंद करना चाहिए। कांग्रेस ने मंगलवार को दावा किया था कि गोवा फॉरवर्ड पार्टी (जीएफपी) के साथ उसका गठबंधन 40 सदस्यीय विधानसभा में पूर्ण बहुमत हासिल करेगा और भाजपा को 10 से भी कम सीटें मिलेंगी। गोवा में सोमवार को 78.94 फीसद मतदान हुआ था और अब मतगणना 10 मार्च को होगी। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष तनवडे ने कहा कि कांग्रेस के नेता घबराए हुए हैं , इसलिए वे अप्रासंगिक बयान दे रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मतदान के प्रति जबर्दस्त उत्साह संकेत करता है कि भाजपा गोवा में एक बार फिर सरकार बनायेगी। भाजपा नेता ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गिरीश चोडनकर और विपक्ष के नेता दिगंबर कामत 'मतदान परिदृश्य के बारे में अस्पष्ट निष्कर्ष पर पहुंचे हैं। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस को दिन में सपना देखना बंद कर देना चाहिए। सत्ता के प्रति उनका लालच उनके बयानों से स्पष्ट है। जैसा कि मैंने पहले कहा है कि भारी मतदान दर्शाता है कि लोगों ने भाजपा के पक्ष में वोट डाला है।

उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार का मतलब त्योहार और पर्व मनाने की आजादी...गुंडाराज पर कंट्रोल : मोदी

एजेंसी ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार होने का मतलब 'दंगा राज, माफिया राज और गुंडाराज पर नियंत्रण है। प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को सीतापुर जिले की महोली, सीतापुर, हरगांव, लहरपुर, बिसवां, सेवता, महमूदाबाद, सिधौली और मिश्रिख विधानसभा क्षेत्रों के लिए भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में सीतापुर के मिलिट्री ग्राउंड में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ''आपका ये उत्साह बता रहा है कि उत्तर प्रदेश में अगले पांच चरणों के मतदान में भाजपा का ही परचम लहराएगा। पीएम मोदी ने कहा कि यूपी (उत्तर प्रदेश) में भाजपा सरकार का मतलब है कि पूजा के दिन हों, पर्व के दिन हों, पूजा पर्वों को मनाने की खुली स्वतंत्रता। यूपी में भाजपा सरकार का मतलब है बहन-बेटियों की मनचलों से सुरक्षा, यूपी में भाजपा सरकार का मतलब है गरीब के कल्याण के लिए निरंतर काम, यूपी में भाजपा सरकार का मतलब है केंद्र की योजनाओं पर 'डबल स्पीड (दोगुनी गति) से काम। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज यूपी में संत रविदास की जयंती है और उनके मंदिरों में अनेकों भक्त जुटे हैं। मुझे भी दिल्ली में संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी विश्राम धाम मंदिर में जाने का सौभाग्य मिला। मान्यता है कि जब एक बार गुरु रविदास जी राजस्थान जा रहे थे तो दिल्ली में उसी स्थान पर उन्होंने विश्राम किया था और मेरे लिए दोहरी खुशी ये भी है कि मैं उस काशी का सांसद हूं जहां संत रविदास जी का जन्म हुआ था। उन्होंने कहा कि ये भी मेरा सौभाग्य है कि वाराणसी में उनके मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण का कार्य करने के लिए ईश्वर ने मुझे माध्यम बनाया और इतने सालों से जो काम नहीं हुआ था, मुझे रविदास मंदिर परिसर को सजाने का मौका मिला।

उत्तर बंगाल में ऐसा विकास होगा जैसा पहले कभी नहीं हुआ: ममता बनर्जी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि आने वाले दिनों में पूरे उत्तर बंगाल में ऐसा विकास होगा जो पहले देखने को नहीं मिला। इसके साथ ही उन्होंने क्षेत्र के लिए कुछ योजनाओं की जानकारी दी। कूच बिहार में स्थानीय नायक चीला रॉय की 512वीं जयंती के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में ममता बनर्जी ने कहा कि राज्य सरकार उत्तर बंगाल के छह जिलों में राजवंशी, गोरखा, लेपचा, भूटिया और अन्य समुदायों के कल्याण के लिए अथक परिश्रम कर रही है। उन्होंने कहा कि हम सभी छह जिलों में युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करेंगे। हमारे ऊपर विश्वास कीजिये, भरोसा रखिये। हमें गलत मत समझिये और देखिएगा कि उत्तर बंगाल में कैसा विकास होता है। इस क्षेत्र में ऐसा विकास होगा जैसा पहले कभी नहीं हुआ। ममता ने कहा कि उनकी सरकार जिला मुख्यालय को एक धरोहर नगर में बदलने के लिए 300 करोड़ रुपये खर्च करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार दो सौ सरकारी स्कूल स्थापित करेगी जहां शिक्षा का माध्यम राजवंशी भाषा होगी। ममता ने कहा कि उनकी सरकार जिला मुख्यालय को एक धरोहर नगर में बदलने के लिए 300 करोड़ रुपये खर्च करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार दो सौ सरकारी स्कूल स्थापित करेगी जहां शिक्षा का माध्यम राजवंशी भाषा होगी। उन्होंने कहा कि सरकार दो सौ सरकारी स्कूल स्थापित करेगी जहां शिक्षा का माध्यम राजवंशी भाषा होगी।

घटते केसों के बीच सभी राज्यों में हटेंगे कोविड प्रतिबंध? केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने चिट्ठी लिखकर दिए ये निर्देश

एजेंसी ।

केंद्र ने राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से, अपने-अपने क्षेत्रों में कोरोना वायरस संक्रमण के नये मामलों और संक्रमण दर पर विचार करने के बाद कोविड-19 की अतिरिक्त पाबंदियों की समीक्षा करने, संशोधन करने या उन्हें हटाने को कहा है। सरकार ने मामलों में राष्ट्रव्यापी कमी की सतत प्रवृत्ति का जिक्र करते हुए यह कहा। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने मंगलवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को लिखे एक पत्र में कहा कि भारत में कोविड-19 महामारी 21 जनवरी से सतत रूप से घटने की प्रवृत्ति प्रदर्शित कर रही है। पिछले हफ्ते औसत दैनिक मामले 50,476 थे और पिछले 24 घंटे में 27,409 नये मामले सामने आए। दैनिक संक्रमण दर मंगलवार को घट कर 3.63 प्रतिशत रह गई। भूषण ने कहा कि शुरूआती महीनों में, अधिक मामले सामने आने के मद्देनजर कुछ राज्यों ने अपनी सीमाओं और हवाईअड्डों पर अतिरिक्त पाबंदियां लगाई थीं। उन्होंने पत्र में कहा कि कोविड-19 जन स्वास्थ्य चुनौती से प्रभावी रूप से निपटने के साथ-साथ यह भी समान रूप से महत्वपूर्ण है कि लोगों का आवागमन और आर्थिक गतिविधियां राज्य स्तर पर लगाई गई अतिरिक्त पाबंदियों के चलते प्रभावित नहीं हों। भूषण ने कहा, ''वर्तमान में, चूंकि पूरे देश में संक्रमण के मामले घटने की प्रवृत्ति प्रदर्शित हो रही है, ऐसे में यदि राज्य/केंद्र शासित प्रदेश अतिरिक्त पाबंदियों की समीक्षा/संशोधन करते हैं या उन्हें हटाते हैं तो यह उपयोगी होगा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने विदेशों से आने वाले यात्रियों के लिए 10 फरवरी को अपने दिशानिर्देश संशोधित किये थे। भूषण ने कहा कि राज्य और केंद्र शासित प्रदेश मामलों में कमी या वृद्धि तथा दैनिक आधार पर संक्रमण के प्रसार की प्रवृत्ति की निगरानी जारी रखें।

उन्होंने पत्र में कहा, ''मैं आश्वस्त हूं कि आपके नेतृत्व में राज्य और केंद्र शासित प्रदेश कोविड-19 की चुनौती से निपट लेंगे तथा इस दौरान लोगों के जीवन एवं आजीविका पर उसका प्रभाव न्यूनतम किया जाएगा।

प्रियंका और राहुल ने संत रविदास के दरबार में मत्था टेकने के बाद सेवादारों को परोसा लंगर

वाराणसी एजेंसी । उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को यहां संत रविदास की जन्मस्थली सीर गोवर्धन में संत रविदास मंदिर में मत्था टेका और लंगर में सेवा की। प्रियंका और राहुल आज सुबह वाराणसी पहुंचे और सीर गोवर्धन स्थित संत शिरोमणि रविदास की जन्मस्थली में जाकर गुरु के दरबार में मत्था टेका।दोनो नेताओं ने मंदिर परिसर में कुछ समय बिताया। इस दौरान उन्होने लंगर में सेवादारों को भोजन परोस कर सेवा भी की। दोनो नेताओं ने मंदिर परिसर में कुछ समय बिताया। इस दौरान उन्होने लंगर में सेवादारों को भोजन परोस कर सेवा भी की।

करोल बाग के रविदास विश्राम धाम मंदिर में पीएम मोदी ने की पूजा

एजेंसी । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को रविदास जयंती के अवसर पर दिल्ली के करोल बाग स्थित श्री गुरु रविदास विश्राम धाम मंदिर पहुंचे। यहां पहुंचकर पीएम मोदी ने मंदिर पूजा-अर्चना की। इसके बाद पीएम मोदी मंदिर में मौजूद महिलाओं के बीच पहुंचे और उनके साथ बैठकर भजन-कीर्तन किया और मंजीरा भी बजाया। मध्यकालीन कवि एवं समाज सुधारक संत रविदास ने अपने दोहों और उपदेशों के माध्यम से जाति आधारित सामाजिक भेदभाव के खिलाफ संदेश दिया। पीएम मोदी ने ट्वीट करके एक मीडिया रिपोर्ट साझा की, जिसमें प्रधानमंत्री के संसदीय निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी में संत रविदास के जन्मस्थल पर बने मंदिर के विस्तार एवं सौंदर्यीकरण के लिए जारी कार्य के बारे में बताया गया है। उन्होंने इस रिपोर्ट को संलग्न करते हुए ट्वीट किया, ''संत रविदास जी का यह पवित्र धाम जन-जन के लिए एक प्रेरणास्थल है। मैं सौभाग्यशाली हूं कि एक सांसद के रूप में मुझे यहां के विकास कार्यों को पूरा करने का अवसर प्राप्त हुआ है। उत्तर प्रदेश और पंजाब में संत रविदास के बड़ी संख्या में अनुयायी हैं। इन दोनों राज्यों में विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया जारी है। निर्वाचन आयोग ने हाल में पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए मतदान की तारीख 14 फरवरी से बढ़ा कर 20 फरवरी कर दी थी, क्योंकि बड़ी संख्या में संत के अनुयायी उनकी जयंती पर उत्तर प्रदेश में उनके जन्मस्थल जाते हैं।

छत्तीसगढ़ में डिवाइडर से टकराया वाहन, पांच महिलाओं की हुई मौत

एजेंसी । छत्तीसगढ़ के रायपुर में एक राष्ट्रीय राजमार्ग पर बुधवार सुबह एक एसयूवी डिवाइडर से टकरा गई, जिससे उसमें सवार पांच महिलाओं की मौत हो गई और छह अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि कार में सवार लोग दुर्ग जिले के रहने वाले थे और माघ मेले में शामिल होने के लिए गरियाबंद जिले के राजिम जा रहे थे। अभनपुर थाना प्रभारी ए ए अंसारी ने बताया कि वाहन बुधवार सुबह राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 30 पर केन्द्री इलाके से गुजर रहा था, तभी वाहन चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और कार डिवाइडर से जा टकराई। अंसारी ने बताया कि चार महिलाओं की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि एक अन्य महिला की अस्पताल में मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मृतकों और घायलों की पहचान होना बाकी है।

पीएम मोदी बोले- भारतीयों की ऊर्जा जरूरतें 20 वर्षों में दोगुनी हो जाने की उम्मीद

एजेंसी ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत के लोगों की ऊर्जा जरूरतें अगले 20 वर्षों में दोगुनी हो जाने की उम्मीद है। साथ ही, उन्होंने विकसित देशों से वित्त और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर अपने वादों को पूरा करने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने 21वें विश्व सतत विकास सम्मेलन (डब्ल्यूएसडीएस-22) के उदघाटन भाषण में कहा कि पर्यावरणीय धारणनीयता केवल जलवायु न्याय से ही हासिल की जा सकती है। उन्होंने कहा, ''भारत के लोगों की ऊर्जा जरूरतें अगले 20 वर्षों में दोगुनी हो जाने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''यह ऊर्जा उपलब्ध कराने से इनकार करना लाखों लोगों को जीने से मना करने जैसा होगा। सफल जलवायु कार्रवाई के लिए पर्याप्त वित्त उपलब्ध होने की भी जरूरत है। इसके लिए, विकसित देशों को वित्त और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर अपने वादे पूरे करने की जरूरत है।%% उन्होंने कहा कि भारत जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र रूपरेखा समझौता (यूएनएफसीसीसी) के तहत वादों को पूरा करने में यकीन करता है। मोदी ने कहा, ''हम यूएनएफसीसीसी के तहत किये गये अपने सभी वादों को पूरा करने में दृढ़ विश्वास रखते हैं। हमने ग्लासगो में हुए सीओपी-26 के दौरान भी अपनी आकांक्षाओं से अवगत कराया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत बहुत ही विविधताओं वाला देश है, जहां विश्व की आठ प्रतिशत प्रजातियां हैं। मोदी ने कहा, ''भारत का क्षेत्रफल विश्व की कुल भूमि का 2.4 प्रतिशत ही है लेकिन यहां विश्व की आठ प्रतिशत प्रजातियां हैं। इस पारिस्थितिकी का संरक्षण करना हमारा कर्तव्य है। हम अपने संरक्षित क्षेत्र नेटवर्क को मजबूत कर रहे हैं। डब्ल्यूएसडीएस-2022 तीन दिवसीय सम्मेलन है, जिसका आयोजन 100 से अधिक देशों की भागीदारी के साथ 'द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (टेरी) कर रहा है। यह 18 फरवरी को संपन्न होगा।

बप्पी दा की मौत के बाद किसे मिलेगी बेशकीमती जूलरी

एजेंसी ।

बॉलीवुड के मशहूर संगीतकार और गायक बप्पी लहरी का 69 वर्ष की आयु में बुधवार को निधन हो गया। इससे पहले वह मुंबई के क्रिटिकेयर अस्पताल में भर्ती थे। लहरी का इलाज कर रहे चिकित्सकों ने बताया कि लहरी एक महीने से अस्पताल में भर्ती थे और उन्हें सोमवार को उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी। लेकिन मंगलवार को तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें फिर से अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बप्पी लहरी कई स्वास्थ्य समस्याओ से पीड़ति थे। आधी रात से कुछ समय पहले ह्रस (ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया) के कारण उनका निधन हो गया। यह हम सभी जानते हैं कि बप्पी दा का कोई प्रेम था तो वो था सोने से उनका प्यार। सोने के गहनों से लदे रहने वाले बप्पी दा, हमेशा सभी को आकर्षित करते थे। सोना को बप्पी दा खुद के लिए लकी मानते थे। उन्होंने इसके बारे में बताया था कि उन्हें जब जब सोना दिया गया, उनके गाने भी उसी तरह हिट होते रहे। अब बप्पी लार्हिड़ी के निधन के बाद इतने सारा सोना आर्खिर किसे दिया जाएगा, यह सबी के मन में एक सावल है। एक न्यूज चैनल ने बप्पी लार्हिड़ी के करीबी सूत्र के हवाले से बताया कि बप्पी दा अपने सोने को लेकर बहुत सुरक्षित रखते थे, वे इन्हें एक प्रोटेक्टिव केस में रखा करते थे जिसे खुद बप्पी दा इनकी सफाई करते थे और संभालते थे। बप्पी दा के एक दोस्त ने बताया कि वे सोने के साथ एक गहरा और निजी रिश्ता साझा करते थे. ये उनके लिए सिर्फ गहना नहीं था. उन्हें इसका एहसास था कि सोना ही उनका सिग्नेचर लुक बन चुका है। %बप्पी दा के सोने के गहनों में हीरे की चेन भी शामिल थी जिसे वह %द्वष्द्म% कहकर बुलाते थे। रिपोट्र्स की मानें तो बप्पी दा अपनी रॉयल्टी की कमाई से सोना खरीदते थे।

सूत्रों की मानें तो बप्पी दा के पास कई सारे सोने की चेन, पेंडेंट, अंगूठी, ब्रेसलेट, भगवान गणेश की मूर्ति, हीरा जड़ा चार्म ब्रेसलेट्स, गोल्ड फ्रेम्स और गोल्ड कफलिंक्स हैं. ये सभी गहने अब परिवार की विरासत का हिस्सा बन चुके हैं। परिवार के एक नजदीकी सूत्र ने बताया कि बप्पी दा का बेटा बप्पा और बेटी रीमा ने अपने पिता के सोनों को संरक्षित रखने का फैसला लिया है। वे अपने पिता की लेगेसी को हमेशा ऐसे ही रखने का प्लान कर चुके हैं।

सपा सरकार थी तो यहां कट्टे बनते और चलते थे, लेकिन बीजेपी की सरकार बनने के बाद यहां ब्रह्मोस मिसाइल बनेगी

एजेंसी । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विपक्षी समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधते हुए बुधवार को कहा कि विकास की पहली शर्त होती है कानून-व्यवस्था का चुस्त दुरुस्त होना, समाजवादी पार्टी की सरकार थी तो यहां पर कट्टे बनते थे और कट्टे चलते थे लेकिन भाजपा की सरकार बनने के बाद यहां कट्टे न बनेंगे और न चलेंगे, अब यहां ब्रह्मोस मिसाइल बनेगी। सिंह ने राजधानी लखनऊ की मलिहाबाद विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार जय देवी के समर्थन में आयोजित एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसी ब्रह्मोस मिसाइल अब लखनऊ की धरती पर बनने जा रही है जो यहां से चार सौ, छह सौ किलोमीटर दूर बैठे किसी दुश्मन को निशाना बना सकती है। उन्होंने कहा कि भारत पर कोई आंख दिखाने की कोशिश करेगा तो 'बाउंड्री' (सीमा) के इस पार भी मार सकते हैं और जरूरत हुई तो 'बाउंड्री' के उस पार भी जाकर मार सकते हैं। भाजपा उम्मीदवार जय देवी और उनके पति केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर की सराहना करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि अब यहां गोली नहीं गोला बनेगा। उन्होंने कहा, ''भाजपा का चरित्र है कि हम जो कहते हैं वह करते हैं। हम लोगों ने 60-70 साल पहले कहा था कि अनुच्छेद 370 समाप्त कर देंगे और संसद में बहुमत मिली तो चुटकी बजाकर समाप्त कर दिया।'' राजनाथ सिंह ने कानपुर बाबूपुरवा में भाजपा उम्मीदवार के समर्थन में आयोजित जनसभा में कहा कि आज की समाजवादी पार्टी को समाजवाद छूकर नहीं गया है। सिंह ने कांग्रेस और राहुल गांधी के साथ ही अन्य विपक्षी दलों पर भारत को बदनाम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''भाजपा ने जो कहा, वह किया, पार्टी के चुनावी घोषणापत्र में जो कुछ भी रखा गया है, हमने किया। हम किसी भी कीमत पर आपका भरोसा नहीं टूटने देंगे।' सिंह ने कहा, ''एक ऑस्ट्रेलियाई पत्रकार ने एक अखबार में लिखा है कि जवाबी कार्रवाई में बड़ी संख्या में चीनी सेना के जवान मारे गए लेकिन राहुल गांधी और कुछ अन्य राजनीतिक दल अपने ही देश को बदनाम करने पर आमादा हैं। वे हमारी सेना के जवानों के शौर्य, साहस और पराक्रम पर प्रश्नचिह्न लगाने की कोशिश कर रहे हैं।'' रक्षा मंत्री ने कहा कि अब आपको तय करना है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में इनका जवाब कैसे दिया जा सकता है। उन्होंने कहा, ''समाजवादी वह है जो आम लोगों की भूख और भय का समाधान प्रदान कर सके। राजनीति में ऐसे काम करने वाले एक ही हैं और वो हैं हमारे भाई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। वह सही मायने में समाजवादी हैं।'' ' सिंह ने कहा, ''एक ऑस्ट्रेलियाई पत्रकार ने एक अखबार में लिखा है कि जवाबी कार्रवाई में बड़ी संख्या में चीनी सेना के जवान मारे गए लेकिन राहुल गांधी और कुछ अन्य राजनीतिक दल अपने ही देश को बदनाम करने पर आमादा हैं। वे हमारी सेना के जवानों के शौर्य, साहस और पराक्रम पर प्रश्नचिह्न लगाने की कोशिश कर रहे हैं।'' रक्षा मंत्री ने कहा कि अब आपको तय करना है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में इनका जवाब कैसे दिया जा सकता है। उन्होंने कहा, ''समाजवादी वह है जो आम लोगों की भूख और भय का समाधान प्रदान कर सके। राजनीति में ऐसे काम करने वाले एक ही हैं और वो हैं हमारे भाई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। वह सही मायने में समाजवादी हैं।''

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार सफलता हमेशा के लिए नहीं होती, विफलता कभी घातक नहीं होती यह तो लगे रहने की प्रवृति हैं जो मायने रखती है - विंस्टन चर्चिल

संपादकीय

यूक्रेन में भारतीय छात्र

यूक्रेन की राजधानी कीव के भारतीय दूतावास ने उस देश में रह रहे सभी भारतीय छात्रों और अन्य नागरिकों को सलाह दी है कि वे जितनी जल्दी हो सके, भारत लौट जाएं। जब किसी देश पर युद्ध के बादल मंडरा रहे हों, तब सिर्फ इस तरह की सलाह काम नहीं आती। उस देश में फंसे लोगों को निकालने के लिए विशेष प्रयास करने पड़ते हैं। भारत के पास इसका पुराना अनुभव है। खाड़ी-युद्ध के दौरान कुवैत में फंसे भारतीयों को रातोंरात वहां से निकालने का काम हमने बखूबी किया था। ऐसा ही काम हम इराक पर इस्लामिक स्टेट के कब्जे के दौरान कर चुके हैं और यही काम हमने लीबिया में गृहयुद्ध छिड़ने पर भी किया था। अभी कुछ ही महीने पहले यही काम हमने अफगानिस्तान में भी किया था और वहां से भारत ही नहीं, कई अन्य देशों के लोगों को भी निकाला था। ऐसे ढेर सारे उदाहरण हैं। हालांकि, यूक्रेन में अभी वैसी आपात स्थिति नहीं है कि लोगों को बिना किसी देरी के 'एयरलिफ्ट' करना पड़े। उस पर जिस युद्ध का खतरा मंडरा रहा है, वह फिलहाल शुरू नहीं हुआ है और अभी जो स्थिति है, उसमें उम्मीद है कि ये लोग नियमित उड़ानों से भी भारत आ सकेंगे। हालांकि, इसमें वक्त लग सकता है, क्योंकि नियमित उड़ानों की संख्या सीमित है। इसलिए सरकार की ओर से विशेष प्रयास करने की जरूरत कभी भी पड़ सकती है। एक अनुमान के अनुसार, यूक्रेन में इस समय भारत के 18,000 से ज्यादा छात्र पढ़ रहे हैं। इनमें से करीब 5,000 तो अकेले गुजरात के ही हैं। अन्य भारतीय नागरिकों की संख्या अभी तक ठीक से पता नहीं चल सकी है। लेकिन पिछले कुछ सप्ताह से हालात के बिगड़ते जाने से इन बच्चों के अभिभावक चिंतित हैं। गुजरात में तो सारे अभिभावक राज्य सरकार से मिले भी थे, और बच्चों को एयरलिफ्ट करने की गुजारिश की थी। यूक्रेन से अपने नागरिकों को निकालने का काम तकरीबन सभी देशों ने शुरू कर दिया है। अमेरिका और पश्चिमी यूरोप के देशों ने अपने नागरिकों के लिए यूक्रेन छोड़ने की 'एडवाइजरी' बहुत पहले ही जारी कर दी थी। उनके लिए यह जरूरी भी था, क्योंकि यूक्रेन को लेकर इस समय जो खटपट चल रही है, उसमें ये देश भी एक पक्ष हैं। लेकिन युद्ध होता है, तो स्थितियां सभी के लिए बिगड़ती हैं, भारत ने इसी को देखते हुए एडवाइजरी जारी की है। अभी यह पता नहीं है कि मौजूदा संकट कब तक चलेगा और जब तक भी चलेगा, वहां से लौटने वाले छात्रों का भविष्य अधर में रहेगा। भारत से ज्यादातर छात्र वहां मेडिकल की पढ़ाई के लिए जाते हैं। यूक्रेन कोई ऐसा देश नहीं है, जिसकी मेडिकल की पढ़ाई के मामले में खासी प्रतिष्ठा हो, उसके मुकाबले भारत के कई संस्थान ज्यादा प्रतिष्ठित हैं। यह जरूर है कि वहां के कुछ संस्थानों की डिग्री को मेडिकल कौंसिल ऑफ इंडिया की मान्यता प्राप्त है। भारत के छात्रों को यूक्रेन जैसे देश में पढ़ने के लिए जाना पड़ता है, यह अपने आप में हमारी शिक्षा-व्यवस्था के बारे में बहुत कुछ कहता है। पिछले कुछ समय में भारत में भी कई निजी मेडिकल कॉलेज खुले हैं और मेडिकल सीटों की संख्या भी बढ़ी है। लेकिन इन कॉलेजों में पढ़ाई बहुत महंगी है, जो कई छात्रों और अभिभावकों पर यूक्रेन जैसे देश में जाने का दबाव बनाती है। इन स्थितियों को बदलना भी जरूरी है।

मूल प्रश्नों का समाधान हो प्राथमिकता

सुरेश सेठ

पहली फरवरी को देश की संसद में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने देश के आर्थिक वर्ष 2022-23 के लिए बजट पेश किया। बिना फाइल और कागज के पेश किये गये इस बजट को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने डिजिटल बजट कहा। बेशक बजट पेश हो जाने के बाद पूरे देश में इस पर जो विवाद उठा, आलोचना-प्रत्यालोचना हुई और इसके उत्तर में प्रधानमंत्री ने जो देश की आजादी के अमृत महोत्सव से लेकर देश की आजादी के पहली सदी उत्सव तक जो नये आर्थिक-सामाजिक ढांचे की नींव रखकर देशवासियों के लिए एक नया भारत बना देने की बात की, वह धीरज बंधाती है। यह भी बता रही थी कि देश की मूल कमियों को दूर कर एक आधुनिक भारत की नींव रखी जा रही है, जो पच्चीस साल में अपने बदलाव का खाका पेश करेगी। आजादी की पहली सदी के बीतते-बीतते इस देश की डेढ़ अरब आबादी अपने आप को आर्थिक कष्ट से रहित वैश्विक विकास के समकक्ष एक ऐसे आर्थिक व्याधियों से मुक्त समाज में सांस लेता पायेगी कि हमारी अगली पीढ़ी इसके लिए हमारा धन्यवाद कहेगी। बेशक दीर्घकालीन विकास के लिए नींव रख देने का यह आश्वासन बहुत गर्व देता है। साथ ही देश के मौजूदा भाग्य निर्माताओं द्वारा देश के हर राज्य या केंद्रशासित प्रदेश में बह रही राहतों और रियायतों की संस्कृति के निर्माण की आपाधापी से अलग हो, देश के लिए एक मजबूत नींव दे देने का प्रयास दिखाता है। पिछले दिनों कोरोना महामारी के असहाय कर देने वाले दो सालों में देश के आर्थिक और सामाजिक वातावरण का बदलाव रुक गया था। देश का आर्थिक विकास तीव्र गति से विकासशील होने के स्थान पर सन् 2020 में रिकार्ड गिरावट दिखाने लगा। सकल घरेलू उत्पादन और विकास दर में गिरावट दिखी। यह सही है कि बीते वर्ष में इस महामारी की दूसरी लहर ने आम जनता के लिए मरणकाल व आक्सीजन और वेंटिलेटरों के अभाव की एक ऐसी घुटनभरी व्यवस्था दिखायी कि देश में एक भय और अटपटी मनोदशा पैदा हो गयी। इससे बचने के लिए सांत्वना आंकड़ों की रपटों का एक माहौल तो पैदा किया गया कि देश इस महामारी के विध्वंसक प्रभावों से बच निकला है। जो कि प्राणवायु के अभाव और उचित उपचार की गैर हाजिरी एक मिथ्या प्रचार है। राष्ट्रीय स्तर पर गिनें तो नाम मात्र मौतें हुई हैं। हां, राज्यों के अपने-अपने आंकड़े हो सकते हैं, लेकिन उनमें भी इस महामारी से जूझने की तत्परता रही। जब-जब कोरोना की लहर की पहली, दूसरी और तीसरी लहर के कुप्रभाव घटे या इसकी वापसी हुई, उद्योग, निवेश और कृषि ने एक नयी सक्रियता की सांस ली। अब आलम यह है कि देश ऋणात्मक विकास दर के माहौल से वापसी कर रहा है, साढ़े आठ प्रतिशत धनात्मक आर्थिक विकास दर तक पहुंच गया। इस आर्थिक वर्ष के अंत तक 9.2 प्रतिशत दर प्राप्त करेगा। स्वतःस्फूर्त अर्थव्यवस्था दस प्रतिशत आर्थिक विकास दर की नींव पर खड़ी होती है, इसे हम अगले आर्थिक वर्ष में प्राप्त कर लेंगे। निश्चय ही ये बहुत धीरज बंधाने वाले सरकारी आंकड़े हैं। उस यथार्थ की चुभन में जहां इस महामारी काल में आम लोगों की बेकारी में अप्रत्याशित वृद्धि हुई हो और महानगरों में अपना नया जीवन तलाशने वाले करोड़ों लोग अपने महानगरीय या प्रवासी भारतीयों की पहचान से उखड़ गये हों। वापस, इस कृषक भारत की उपजाऊ जमीन से पैदा उत्पादों से अपने गांव-घरों के पास इन्हें समेट कर, निर्मित होते लघु और कुटीर उद्योगों के विकास में अपना आश्रय और जिन्दा रहने का स्थायी बल चाहते हों, यही धीरज रहा। इस बजट में भी नये एफपीओ बनाने, लघु और कुटीर उद्योगों के विकास के वादे हैं, राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के बदलने के वादे हैं, पर्याप्त धनराशि का आवंटन है, लेकिन क्या कारण है कि आम आदमी की आशंका जाती नहीं कि उसकी अपनी लाल रेखा के पीछे भी धनिक व्यवसायियों के आत्मनिर्भर भारत के नाम पर नवोन्मेष कार्यक्रमों की इजाजत दे दी गयी है। इसके कारण छोटे लोगों का स्टार्टअप अभियान करवट भी नहीं ले पाता? इस महामारी काल में सरकार ने बार-बार आर्थिक बूस्टर दिये, उदार साख व्यवस्था को जिंदा रखा और निजी क्षेत्रों को कर रियायत का माहौल देकर पुनर्जीवन का माहौल दिया, लेकिन क्या कारण है कि नया निवेश बड़े पैमाने पर उत्साहित नजर नहीं आया? इस वर्ष विदेशी निवेश क्यों बड़े पैमाने पर निवेशित होकर अपने मूल देशों में लौटने लगा? नये करों से रहित इस बजट के प्रोत्साहन के बावजूद धड़ाम गिरती शेयर मार्केट में चन्द रोजा अपेक्षित प्रभाव के बावजूद कोई स्थायी उर्ध्वगामी प्रभाव क्यों नहीं हुआ? आम आदमी की जिंदगी लौट आने का कोलाहल क्यों नहीं हुआ? नये भारत बनाने की दीर्घकालीन नीतियां तो सामने आ गयीं, लेकिन महामारी से प्रताड़ित देश के मध्यवर्ग और वंचित वर्ग को कोई तात्कालिक राहत नहीं मिली। इस निराश माहौल में देश के वरिष्ठ जनों और मध्यवर्ग की बचतें पहले भी धरती चूमती ब्याज दरों से संत्रस्त थीं, आज भी वही माहौल है। जिन्होंने बड़े पैमाने पर रोजगार खो दिया, वेतन-वंचित वर्ग और बचत के घटते महत्व की विभीषिका में हम बाजारों में बढ़ती मांग की उम्मीद कैसे करें? कोरोना की फिर घटती लहरों में जो मांग बढ़ी है, वह विलासिता क्षेत्र या उच्च वर्ग की है, इससे आधुनिकीकरण का दावा तो हो सकता है, मरते-जीते वंचित वर्ग की मूल आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं होती। जब तक बेरोजगारों के लिए रोजगार, छोटे लोगों के लिए स्वप्रेरित निवेश और उसके लिए महंगाई नियंत्रण की संभावनाएं पैदा नहीं होती, तब तक इस वर्ग के लिए सस्ते दाम मूल आवश्यकताओं की पूर्ति का माहौल पैदा नहीं होगा। इनके बाजारों में अनियंत्रित महंगाई द्वारा पैदा मांग न होने की निर्जीवता छायी रहेगी। तिस पर भ्रष्टाचार को जड़ से मिटा देने की सरकारी यलगार के बार-बार दोहराने के बावजूद अपने देश में भ्रष्टाचार और सिफारिश जुटा, काम करवाना एक जीवनशैली बन गया है। मंचों से इसकी निंदा होती है, इससे टकराने के संकल्प लिये जाते हैं, लेकिन यही भाषणबाज जब बेनकाब होते हैं तो माफिया और तस्करी प्रशासन का एक हिस्सा बने नजर आते हैं। कब भ्रष्टाचार, चोरबाजारी, हाड़ तोड़ती महंगाई की यह बाधा इस देश से हटेगी। साथ ही इस देश का साधारण जन अपने पैरों के नीचे वादों की धरती नहीं, एक नये प्रभाव और सदाचार से भरी हुई धरती प्राप्त करेगा? पचहत्तर वर्ष का इंतजार कोई कम इंतजार नहीं होता, अब इसमें मूलभूत आर्थिक ढांचे के निर्माण के नाम पर पच्चीस वर्ष और जोड़े जा रहे हैं। लेकिन भूखे व्यक्ति को तो तत्काल रोटी चाहिए। वह भी रियायत और दान से निकली हुई लंगर की रोटी नहीं, अपनी मेहनत की रोटी। प्रशासन से सुशासन चाहिए, उसके रास्ते में खड़ी ये भ्रष्टाचार की दीवारें नहीं। ग्रामीण भारत के छोटे-छोटे किसानों को अपने लिये लघु और कुटीर उद्योग का सहयोग चाहिए, उसमें भी धनिक घरानों की घुसपैठ नहीं। भारत को डिजिटल बनाइए, उसे स्वचालित बड़े-बड़े उद्योगों का उपहार दीजिये। विकास की दीर्घकालीन योजनाएं दीजिये, लेकिन उसे विदीर्ण करती हुई भ्रष्टाचार उन्मूलन, महंगाई की घुटन नहीं। नये रोजगार और शिक्षा के उपयोगी बनाने की तत्काल जरूरत है, इसे पूरा किया जाये। केवल भविष्य में सुनहरा चमचमाता और नया भारत के विकास पथ को बना देने के वादे की घोषणा से ही काम नहीं चलेगा।

लेखक साहित्यकार एवं पत्रकार हैं।

बुन्देलखण्ड में विकास की नई उड़ान 'केन-बेतवा लिंक परियोजना'

- गोपाल भार्गव

मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के बुन्देलखण्ड अंचल में लम्बे अरसे से पेयजल और सिंचाई का संकट जग जाहिर रहा है। परिणाम स्वरूप यह क्षेत्र देश में आर्थिक रूप से कमजोर क्षेत्र के रूप में जाना जाता है। बुन्देलखण्ड का अधिकांश भू-खण्ड पथरीला है और सिंचाई के लिए पानी की कमी यहाँ के मेहनतकश रहवासियों को जीवन निर्वहन के लिये पलायन करने पर मजबूर करती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुन्देलखण्ड क्षेत्र को 卐केन-बेतवा लिंक परियोजना卐 की सौगात देते हुए एक नये विकसित बुन्देलखण्ड की परिकल्पना को साकार करने का महत्वाकांक्षी कदम बढ़ाया है। यह परियोजना पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के सपने को साकार करते हुए बुन्देलखण्ड अंचल की तकदीर और तस्वीर बदलकर विकास की नई उड़ान भरेगी। लगभग 23733 वर्ग किलोमीटर में फैले बुन्देलखण्ड अंचल में 卐बेतवा-केन नदियों卐 को जीवन-रेखा कहा जाता है। इनके साथ ही धसान, सिंध (काली सिंध) नर्मदा का प्रवाह भी अंचल की आर्थिक समृद्धि में सहायक है। इस सब के बाबजूद बुन्देलखण्ड अंचल में पानी की गंभीर समस्या रही है। यही कारण रहा होगा कि अंचल में राजशाही के समय बड़ी संख्या में बड़े-बड़े तालाबों का निर्माण कराया गया, लेकिन घटती वर्षा और बढ़ते शहरीकरण से इन तालाबों का अस्तित्व समाप्त हो गया। परिणामस्वरूप सूखी खेती के साथ पेयजल समस्या ने भी विकराल रूप ले लिया। देश में अटल बिहारी वाजपेयी ही ऐसे पहले प्रधानमंत्री थे, जिनका ध्यान बुंदेलखण्ड की इस समस्या पर गया। उन्होंने यह समझ लिया था कि पलायन रोकने और बुंदेलखण्ड के विकास के लिये यहाँ की पानी की समस्या को खत्म करना बेहद जरूरी है। इसीलिये अपने कार्यकाल के दौरान वर्ष 2002 में उन्होंने केन-बेतवा लिंक परियोजना की परिकल्पना तैयार करवाई। इसके जरिए उनका उद्देश्य बुंदेलखण्ड की दो बड़ी नदी केन एवं बेतवा को आपस में जोड़कर बारिश के पानी को बर्बाद होने से रोकना था, ताकि बारिश के पानी का संग्रहण और सही उपयोग हो और प्यासा बुंदेलखण्ड हरियाली से भरा क्षेत्र बन पाये। स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी के बाद देश में कई सरकारें केन्द्र में आई और गई, मगर बुंदेलखण्ड की इस समस्या की ओर किसी ने ध्यान नहीं दिया। इसके बाद एक बार फिर जब भाजपा सरकार बहुमत के साथ केन्द्र में आई, तब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फिर से अटल जी के इस सपने को पूरा करने की ठानी। काफी समय तक यह परियोजना पानी बंटवारे के विवाद के चलते उलझी रही। करीब 19 वर्ष बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से पिछले वर्ष 2021 में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के सहयोग से दोनों प्रदेश पानी बंटवारे पर सहमत हुए। उसके बाद इस परियोजना को आगे बढ़ाने की कवायद शुरू हुई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस बार आत्म-निर्भर अर्थ-व्यवस्था की तरफ एक और मजबूत कदम बढ़ाते हुए देश के अलग-अलग क्षेत्रों में नदियों को एक करने के प्रस्ताव को केन्द्रीय बजट में पास किया है। इसमें प्रधानमंत्री मोदी द्वारा विशेष रूप से केन-बेतवा नदियों को लिंक करने के लिये 44 हजार 605 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया है। इस योजना में 90 प्रतिशत राशि केन्द्र सरकार खर्च करेगी। शेष दस फीसदी मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश सरकार खर्च करेगी। हम लोग पुराने समय से देखते आये हैं कि कई बार पानी के अभाव में बुंदेलखण्ड के किसानों को कई तरह की आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। मगर अब प्रधानमंत्री मोदी का बुंदेलखण्ड के विकास पर विशेष ध्यान होने से स्वीकृत हुई केन-बेतवा लिंक परियोजना किसानों के जीवन और खेती में बदलाव लायेगी। इस योजना पर करीब 44 हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे। किसानों के खेत में पानी पहुँचाने के लिये इस परियोजना से प्रधानमंत्री मोदी ने भगीरथ के समान कार्य किया है, जिससे बुंदेलखण्ड का विकास और अधिक तेजी से होगा। अब बुंदेलखण्ड के खेतों में और अधिक हरियाली आयेगी और गर्मी के मौसम में भी खेतिहर मजदूरों को

रोजगार की तलाश में भटकना नहीं पड़ेगा। केन-बेतवा लिंक परियोजना में मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के 13 जिले आते हैं। इनमें मध्यप्रदेश के 9 जिले पन्ना, टीकमगढ़, छतरपुर, सागर, दमोह, दतिया, विदिशा, शिवपुरी और रायसेन शामिल हैं। वही उत्तर प्रदेश के बांदा, महोबा, झांसी और ललितपुर जिले हैं। इस पूरी योजना से इन सभी जिलों को पेयजल के साथ सिंचाई में लाभ होगा, जिससे करीब साढ़े नौ लाख किसानों को फायदा पहुँचेगा। उनका जीवन स्तर सुधरेगा और आय में वृद्धि होगी। करीब 10 लाख हेक्टेयर जमीन पर सिंचाई हो सकेगी और 62 लाख लोगों को पीने का साफ पानी मिल सकेगा। इस प्रोजेक्ट के तहत 103 मेगावाट हाइड्रो पावर और 27 मेगावाट की क्षमता वाला सोलर प्लांट भी बनाया जायेगा। परियोजना से उद्योग-धंधों को बढ़ावा मिलेगा, जिससे युवाओं के लिये रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और पलायन भी कम होगा। आशा करता हूँ कि प्रधानमंत्री मोदी के इस प्रयास से बुंदेलखण्ड की जनता लाभान्वित होगी और हमारा बुंदेलखण्ड विकास की नई उड़ान भरेगा।

(लेखक मध्य प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री हैं।)

आज के कार्टुन

बेकारी

श्रीराम शर्मा आचार्य/ कहावत है-'खाली दिमाग शैतान की दुकान।' यह कहावत उन सबके लिए है, जो परिश्रम से जी चुराते हैं। परिश्रम के बिना मनुष्य का जीवन अधूरा सा रहता है। अब तो विज्ञान भी मानने लगा है कि परिश्रम से जी चुराने से ही नाना प्रकार की बीमारियां पनपती हैं। परिश्रम चाहे वह व्यायाम का ही क्यों न हो, किन्तु करना अवश्य चाहिए। जो बेकार रहेगा, उसे शैतानी सूझेगी। कुछ दिन पहले इस देश में राजा-रईस, अमीर-उमराव, जमींदार-साहूकार, महंत-मठाधीश बहुत थे। उनके पास आमदनी बहुत थी और नौकर-चाकरों के बलबूते पर उनका व्यापार चलता रहता था। काम का कोई उत्तरदायित्व सिर पर न होने से उनके पास समय बहुत बचता था। इस बचे हुए समय का उपयोग आमतौर से खुराफातों में होता था। बहुत कम लोग इन वगरे में ऐसे थे, जो अपने समय को किसी मूल्यवान कार्य में लगाते थे। अब यह वर्ग घट रहे हैं। परिस्थितियों ने उन्हें श्रम करने और सुधरने के लिए विवश किया है। वह विवशता उपयोगी भी है और आवश्यक भी। बेकारी की समस्या इसीलिए खतरनाक नहीं मानी जाती कि उन दिनों आदमी कमाता नहीं, वरन मुख्यतया इसलिए उसे भयंकर मानते हैं कि बेकार आदमी को उत्पात ही सूझेंगे। बुरे विचार उसके मस्तिष्क में उठेंगे और वह बुरे कामों की ओर अग्रसर होगा। बुराई का आज चारों ओर बाहुल्य है। उसी का प्रसार एवं आकषर्ण भी प्रबल है। बेकार आदमी सहज ही उस ओर आकर्षित होते हैं। कार्यव्यस्त व्यक्ति फुरसत न मिलने के कारण बुराइयों से बचा रहता है। पर बेकर आदमी के लिए तो सर्वनाश का द्वार खुला पड़ा है। बेकारी का कारण सदा काम का अभाव नहीं है। बहुधा आलस्य भी होता है। नौकरी के लिए दर-दर ठोकरें खाते फिरने वालों में से अधिकांश वे होते हैं, जो ऊंची आमदनी की, आरामतलब की, बिना मेहनत की नौकरी चाहते हैं, श्रम में जिनका जी दुखता है, मेहनत-मजदूरी से जिन्हें अपनी शान और इज्जत घटती मालूम होती है। उनके लिए बाबूगीरी की नौकरियां मिलना मुश्किल हो सकती हैं, पर परिश्रम करने वाले के लिए काम की कहीं कमी नहीं है। ज्यादा पैसे का नहीं, बड़ा न सही, परन्तु हर आदमी को हर जगह काम मिल सकता है और बहुत न सही, पर थोड़ा-सा तो वह कमा ही सकता है। थोड़ी भी कमाई न हो तो समय की बेकारी तो किसी काम में लगे रहने से बच ही जाती है। खुराफात में मन दौड़ाने का अवसर नहीं मिलता, यह भी क्या कुछ कम लाभ है?

सू-दोकू नवताल -2048

2				8			3	
4	3				9	8		
								9
	7	1			2		5	
8				4				3
	2		8			9	6	
6								
		8	2				7	5
	4			3				6

सू-दोकू -2047 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 x 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2048

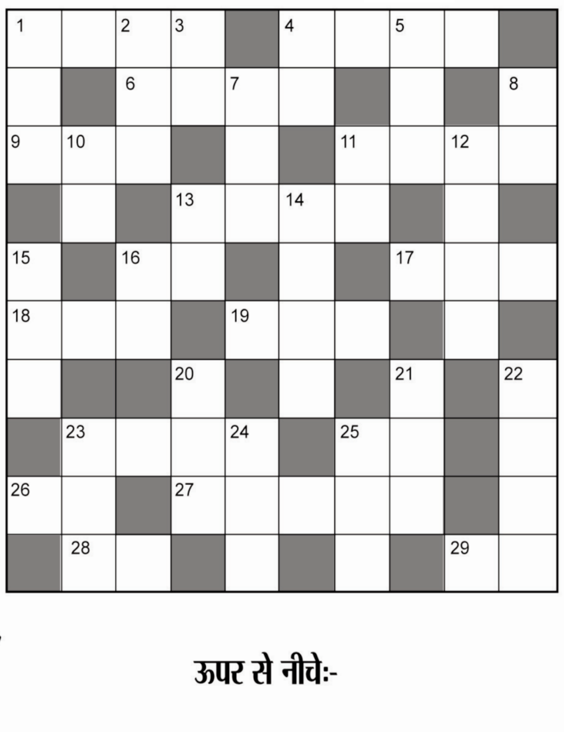

बायें से दायें:-

1. शाहरूख, अपूर्व अग्निहोत्री, महिमा की 'किसी रोज तुम से' गीत वाली फिल्म-4
4. 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली धर्मेन्द्र, जीनत अमान की फिल्म-4
6. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-4
9. 'मुझे दुनियावलों शरबी' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-3
11. अजय, सैफ, विवेक, करीना, बिपाशा की 'बीड़ी जलई' गीतवाली फिल्म-4
13. 'आ ये हसीना रात' गीत वाली जीतेंद्र, आदित्य, एकता की फिल्म-4
16. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं आँचल हमारा गिरा जा' गीत वाली फिल्म-2
17. 'आँखों से दिल में' गीत वाली फराज खान, सुमन रंगनाथन की फिल्म-3
18. दिलीपकुमार, सायरा की 'सारे शहर में आपसा कोई' गीत वाली फिल्म-3
19. 'रात दुल्हन बनी चॉद दूल्हा बना' गीत वाली जीतेंद्र, बिस्वजीत, माला सिन्हा, मुमताज की फिल्म-3
23. धर्मेन्द्र, संजीव, शर्मिला की 'जिंदगी है क्या बोलो' गीत वाली फिल्म-4
25. 'दिल गम से' गीत वाली विजय, सुरैया की फिल्म जो सुरैया की अंतिम फिल्म थी-2
26. संजयदत्त, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम दीवानों को' गीत वाली फिल्म-2
27. आमिर, ममता कुलकर्णी की 'बाजी' में मुख्यमंत्री विश्वासराव चौधरी की भूमिका किसने की थी-2,3
28. सनी, सुनील शेट्टी, शिल्पा की 'कोई परी आती नहीं' गीत वाली फिल्म-2
29. फिल्म 'सात रंग के सपने' में अरविंद स्वामी के साथ नायिका कौन थी-2

ऊपर से नीचे:-

1. अमिताभ, शाहरूख, सुनील, रानी, जूही की फिल्म-3
2. 'दुनिया में ऐसा कहाँ सबका नसीब' गीत वाली फिल्म-3
3. नसीरूद्दीनशाह, पूजा भट्ट की फिल्म-2
4. 'आते जाते हुए मैं सब पे नजर' गीत वाली फिल्म-2
5. इंद्रकुमार, आयशा जुल्का की फिल्म-3
7. आर्यन वैद, सोनाली कुलकर्णी की मकरंद देशपांडे निर्देशित फिल्म-3
8. सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-2
10. 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-2
11. अतीन भल्ला, संदली सिन्हा की फिल्म-2
12. 'लम्हा लम्हा जिंदगी है' गीत वाली फिल्म-4
13. मोहित अहलावत, निशा की फिल्म-2
14. 'ये वादा करो चाँद' गीत वाली फिल्म-4
15. मनोज बाजपेयी, रेखा, करिश्मा की फिल्म-3
16. 'हम दर्द के मारों का इतना ही' गीत वाली फिल्म-2
20. धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा की फिल्म-3
21. 'जागे जागे नैनों में' गीत वाली फिल्म-3
22. आफताब शिवदासानी, अमीषा पटेल, एशा देओल की फिल्म-4
23. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली फिल्म-3
24. जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-3
25. 'इंतहा हो गई इंतजार की' गीत वाली अमिताभ, जया प्रदा की फिल्म-3

फिल्म वर्ग पहेली-2047

को	ह	रा		आँ	धी		आ	नं	द
ह		म		खें		जो	र	दा	र
रा	जा	जा	नी		ध	र	ती		मि
म		ने		क	र्मा			सा	या
	रा		आ		त्मा		सा	ज	न
रा	स्ते	प्या	र	के		श		औ	
	का		जू		मे	रा	ध	र	म
स	प	ने		दु	ला	रा		आ	ह
	त्थ		प्या				स	वा	ल
प्या	र	का	सा	या		सू	र	ज	

देश का सोयामील निर्यात जनवरी में 65प्रतिशत घटकर 1.76 लाख टन पर

नई दिल्ली।

देश का सोयामील (डीओसी) निर्यात जनवरी में सालाना आधार पर 65 प्रतिशत घटकर 1.76 लाख टन रहा। उद्योग संगठन सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) ने यह जानकारी दी है।

मुख्य रूप से सोयाबीन और रैपसीड मील के निर्यात में गिरावट से डीओसी की बाहर भेजी जाने वाली खेप में कमी आई है। जनवरी, 2021 में भारत का सोयामील निर्यात 5.01 लाख टन रहा था। चालू वित्त वर्ष के पहले 10 माह अप्रैल-जनवरी के दौरान सोयामील निर्यात 35 प्रतिशत घटकर 19.43 लाख टन रह गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 29.69 लाख टन रहा था। सोयामील का इस्तेमाल पॉल्ट्री और अन्य क्षेत्रों में पशुचारे के रूप में होता है। एसईए द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, इस साल जनवरी में सोयाबीन एक्सट्रैक्शन का निर्यात भारी गिरावट के साथ 52,771 टन रह गया, जो एक साल पहले समान महीने में 2.83 लाख टन रहा था। इसी तरह जनवरी में रैपसीड एक्सट्रैक्शन का निर्यात घटकर 16,164 टन पर आ गया, जो एक साल पहले समान महीने में 74,240 टन था।

ऑल टाइम हाई पर जेट फ्यूल के दाम, दो महीने के अंदर चौथी बार बढ़ी कीमतें

बिजनेस डेस्क।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में जारी तेजी के बीच बुधवार को विमान ईंधन की कीमतों में 5.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर दी गई है। इस बढ़ोतरी के बाद देश में जेट फ्यूल के दाम रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए हैं। आपको बता दें कि पिछले दो महीनों के भीतर देश में चौथी बार जेट फ्यूल की कीमतों में बढ़ोतरी की गई है। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में जेट फ्यूल की कीमतें 4,481.63 रुपए प्रति किलोलीटर या 5.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ अब 90,519.79 रुपए प्रति किलोलीटर हो गई है। बता दें कि ये एटीएफ का उच्चतम स्तर है। अगस्त, 2008 में एटीएफ की कीमत 71,028.26 रुपए प्रति किलोलीटर थी, उस समय अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की कीमतें 147 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थीं। जिसके बाद अब जाकर जेट फ्यूल की कीमतें 90,519.79 रुपए प्रति किलोलीटर हो गई है, जबकि मौजूदा समय में कच्चे तेल की कीमतें अगस्त 2008 की तुलना में काफी कम हैं। बताते चलें कि देशभर में पेट्रोल और डीजल की कीमतें लगातार 105वें दिन भी स्थिर बनी रहीं। देश में आखिरी बार 4 नवंबर, 2021 को पेट्रोल-डीजल के दामों में बदलाव हुआ था. उसके बाद से आज तक पूरे देश में ईंधन की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं ।

जबकि, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बुधवार, 16 फरवरी को इंटरनेशनल मार्केट में क्रूड ऑयल की कीमतें 93.18 डॉलर प्रति बैरल रहीं. जहां एक तरफ इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल के दाम बढ़ते जा रहे हैं।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने ओयो के आईपीओ के खिलाफ जोस्टल की याचिका खारिज की

नई दिल्ली।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने ऑरैवल स्टेज के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार करते हुए जोस्टल हॉस्पिटैलिटी की याचिका को खारिज कर दिया है। जोस्टल हॉस्पिटैलिटी ने अपने पक्ष में एक मध्यस्थता फैसले के मद्देनजर ओयो की मूल कंपनी ऑरैवल में सात प्रतिशत इक्विटी शेयरों के लिए दावा किया था। न्यायमूर्ति सी हरि शंकर ने कहा कि ऑरैवल के आईपीओ के खिलाफ रोक लगाने का कोई मामला नहीं बनाया गया है और याचिका खारिज की जाती है। जोस्टल हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड और इसके निवेशक-शेयरधारकों में से एक ओरियोस वेंचर पार्टनर्स, ऑरैवल स्टेज प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक नियम-शर्तों (टर्म शीट) में पक्षकार थी। इसके तहत जोस्टल अपने होटल कारोबार को ऑरैवल और ओरियोस में स्थानांतरित करेगी। इसके बदले में ऑरैवल 'पहचानी गई संपत्तियों' को जोस्टल को स्थानांतरित करेगी। इसमें सात प्रतिशत शेयरधारिता भी शामिल है। इसके बाद ऑरैवल द्वारा चूक के बाद जोस्टल उसकी संपत्तियों का अधिग्रहण नहीं कर पाई और मार्च, 2021 में ऑरैवल के खिलाफ एक मध्यस्थता आदेश पारित किया गया। इस आदेश के बाद उच्च न्यायालय से अंतरिम स्थगन की अपील करते हुए जोस्टल ने दावा किया कि वह ऑरैवल के सात प्रतिशत इक्विटी शेयर पाने की पात्र है। ऐसे में ऑरैवल किसी तरह के कदम नहीं उठा सकती और न ही वह आईपीओ ला सकती है।

सूचीबद्ध कंपनियों में चेयरपर्सन, प्रबंध निदेशक का पद अलग करना अब स्वैच्छिक होगा: सेबी

नई दिल्ली।

पूंजी बाजार नियामक सेबी ने मंगलवार को कहा कि सूचीबद्ध कंपनियों में चेयरपर्सन और प्रबंध निदेशक/मुख्य कार्यपालक अधिकारी के पदों को अलग-अलग करना अब अनिवार्य नहीं होगा। इसे स्वैच्छिक आधार पर लागू किया जाएगा। शीर्ष 500 सूचीबद्ध इकाइयों के लिए चेयरपर्सन और प्रबंध निदेशक/मुख्य कार्यपालक अधिकारी पदों को अप्रैल, 2022 की समयसीमा से पहले अलग करना अनिवार्य था। सेबी का यह निर्णय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बयान के बाद आया है। उन्होंने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि अगर भारतीय कंपनियों के इस मामले में कोई विचार हैं, तो नियामक को इस पर गौर करना चाहिए। हालांकि, उन्होंने यह साफ किया था कि वह कोई निर्देश नहीं दे रही हैं। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड ने ताजा निर्णय के पीछे कारण अबतक अनुपालन का संतोषजनक नहीं होना बताया। सेबी ने निदेशक मंडल की बैठक के बाद एक विज्ञप्ति में कहा, ''सेबी निदेशक मंडल ने यह निर्णय किया है कि सूचीबद्ध इकाइयों के लिए पदों को अलग करने का प्रावधान अनिवार्य की जगह स्वैच्छिक होगा।'' शुरू में सूचीबद्ध इकाइयों को चेयरपर्सन और प्रबंध निदेशक/मुख्य कार्यपालक अधिकारी के पदों को एक अप्रैल, 2020 से अलग करने की जरूरत थी। हालांकि, उद्योग के प्रतिवेदनों पर गौर करते हुए अनुपालन के लिए दो साल का अतिरिक्त समय दिया गया। नियामक ने कहा, ''यह प्रावधान कंपनी संचालन स्तर में सुधार से जुड़ा था। लेकिन अबतक अनुपालन संतोषजनक नहीं पाये जाने, विभिन्न प्रतिवेदन प्राप्त होने, मौजूदा महामारी के कारण बाधाएं और कंपनियों को सुगम तरीके से बदलाव का मौका देने जैसी बातों पर विचार करते हुए सेबी बोर्ड ने यह निर्णय किया है कि सूचीबद्ध इकाइयों के लिए पदों को अलग करने का प्रावधान अनिवार्य की जगह स्वैच्छिक होगा।'' सेबी के अनुसार, प्रमुख 500 सूचीबद्ध कंपनियों में सितंबर, 2019 की स्थिति के अनुसार अनुपालन स्तर 50.4 था ।

संक्षिप्त समाचार

ग्राहकों की उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे, 'युद्ध स्तर' पर कमियों को दूर करने का प्रयास: विस्तार

मुंबई। विस्तार के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विनोद कन्नन ने स्वीकार किया है कि एयरलाइन कंपनी पिछले कुछ महीनों में ग्राहकों की उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी है। उन्होंने कहा कि हम 'युद्ध स्तर' पर अपनी कमियों को दूर करने का प्रयास कर रहे हैं। साथ ही यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने के लिए कई खूबियों को भी जोड़ा जा रहा है। कन्नन ने ग्राहकों को लिखे एक पत्र में स्वीकार किया कि हाल में सेवाओं में व्यवधानों के कारण उनकी यात्रा योजनाओं में फेरबदल हुआ होगा और एयरलाइन के कॉल सेंटर तक पहुंचने में लंबे इंतजार से उन्हें निराशा हुई होगी। उन्होंने कहा, ''हम हमेशा उड़ान को एक ऐसा अनुभव बनाना चाहते हैं, जो व्यवधान से रहित हो और खुशनुमा तथा यादगार हो। हालांकि, मैं मानता हूं कि पिछले कुछ महीनों में हम इस प्रतिबद्धता से चूक गए और आपकी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे।'' उन्होंने आगे कहा, ''मुझे पता है कि हमारी वेबसाइट और मोबाइल ऐप आपके सामने आने वाली कुछ समस्याओं का सही समाधान नहीं दे सके और मैं यह भी समझता हूं कि कुछ मामलों में यात्रा के दौरान आपका अनुभव उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा होगा।'' उन्होंने भरोसा दिया कि ग्राहकों और एयरलाइन कर्मचारियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। उन्होंने भरोसा दिया कि कमियों को दूर करने के लिए युद्ध स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं और यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने के लिए कई नई सुविधाएं भी जोड़ी जाएंगी।

रिजर्व बैंक ने डिजिटल लेनदेन को प्रोत्साहन के लिए 'वित्तीय साक्षरता सप्ताह' चलाया

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने सुरक्षित तरीके से डिजिटल बैंकिंग के लिए मंगलवार को साक्षरता कार्यक्रम शुरू किया। केंद्रीय बैंक वित्तीय साक्षरता के प्रसार के राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत 'वित्तीय साक्षरता सप्ताह' मना रहा है। देश भर में लोगों तक वित्तीय शिक्षा का संदेश पहुंचाने के लिए रिजर्व बैंक 14 से 18 फरवरी तक 'वित्तीय साक्षरता सप्ताह' मनाएगा। केंद्रीय बैंक ने एक बयान में कहा कि आरबीआई के दिल्ली केंद्र ने 'गो डिजिटल गो सिक्योर' विषय पर वित्तीय साक्षरता संदेशों के प्रसार के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता रिजर्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक विवेक अग्रवाल ने की। इसमें इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में सचिव अजय प्रकाश साहनी, पंजाब नेशनल बैंक के प्रबंध निदेशक अतुल कुमार गोयल और अन्य वरिष्ठ बैंक अधिकारी शामिल हुए।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच नवीकरणीय ऊर्जा में सहयोग के आशय पत्र पर हस्ताक्षर

नयी दिल्ली । भारत और ऑस्ट्रेलिया ने नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों की लागत घटाने और वैश्विक स्तर पर उत्सर्जन में कमी लाने को इनका इस्तेमाल बढ़ाने की सहमति जताई है। दोनों देशों ने मंगलवार को इस बारे में एक आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। बिजली मंत्रालय की तरफ से जारी बयान के मुताबिक, चौथे भारत-ऑस्ट्रेलिया ऊर्जा संवाद के दौरान इस आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए गए। इस संवाद में बिजली और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आर के सिंह और ऑस्ट्रेलिया के बिजली एवं उत्सर्जन कटौती मंत्री एंगस टेलर शामिल हुए। आशय पत्र के मुताबिक, दोनों देश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा वाली प्रौद्योगिकी की लागत कम करने और वैश्विक उत्सर्जन में कमी लाने के लिए इनका उपयोग बढ़ाने के लिए मिलकर काम करेंगे। इसके लिए बेहद किफायती दर वाले सौर उपकरणों एवं स्वच्छ हाइड्रोजन का उत्पादन एवं उपयोग किया जाएगा। बयान के मुताबिक, उन्नत प्रौद्योगिकी और स्वच्छ ऊर्जा की तरफ बदलाव पर ध्यान देने की तत्काल जरूरत है। इस संदर्भ में एक कार्ययोजना पर सहमति जताई गई ।

आयकर विभाग ने चीनी दूरसंचार कंपनी हुवावे पर छापा मारा

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने कर चोरी की जांच के तहत चीनी दूरसंचार कंपनी हुवावे के भारत स्थित परिसरों पर छापा मारा है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। जानकारी के मुताबिक मंगलवार को दिल्ली, गुरुग्राम (हरियाणा) और बेंगलुरु में कंपनी के परिसरों पर छापे मारे गए। सूत्रों ने कहा कि अधिकारियों ने कंपनी, उसके भारतीय व्यवसायों और विदेशी लेनदेन के खिलाफ कथित कर चोरी की जांच के तहत वित्तीय दस्तावेजों को देखा उन्होंने कहा कि कुछ रिकॉर्ड भी जब्त किए गए हैं। कंपनी ने कहा कि देश में उसका संचालन पूरी तरह कानून के पालन के साथ चल रहा है। कंपनी ने एक बयान में कहा, ÷हमें आयकर दल के हमारे कार्यालय आने और कुछ कर्मचारियों से साथ पूछताछ के बारे में बताया गया है। हुवावे को भरोसा है कि भारत में हमारा संचालन सभी कानूनों और विनियमों के अनुरूप हैं। हम अधिक जानकारी के लिए संबंधित सरकारी विभागों से संपर्क करेंगे और नियमों के अनुसार पूरा सहयोग करेंगे तथा सही प्रक्रिया का पालन करेंगे। सरकार ने हुवावे को 5जी सेवाओं के परीक्षण से बाहर रखा है।

गेल श्रीनगर को गैस ग्रिड से जोड़ेगी, मई 2023 तक तैयार होगी मुंबई-नागपुर लाइन

नई दिल्ली।

सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम गेल इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) मनोज जैन ने कहा कि कंपनी कश्मीर घाटी तक पर्यावरण के अनुकूल प्राकृतिक गैस ले जाने के लिए श्रीनगर में एक पाइपलाइन बिछाने की योजना बनाई है। उन्होंने कहा कि गैर आधारित अर्थव्यवस्था बनाने के सरकार के लक्ष्य को पूरा करने के लिए बुनियादी ढांचे का विस्तार तेजी से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गेल मई 2023 तक मुंबई से नागपुर के लिए 700 किलोमीटर की पाइपलाइन बिछाने का काम पूरा कर लेगी, जिसके मध्य भारत में गैस की सप्लाई हो सकेगी। उन्होंने बताया कि महत्वाकांक्षी ऊर्जा गंगा परियोजना के बड़े हिस्से को तय कार्यक्रम के अनुरूप 2022 के मध्य तक पूरा कर लिया जाएगा। इस परियोजना से पूर्वी भारत ऊर्जा मानचित्र पर आ जाएगा। भारत ने अपनी ऊर्जा जरूरतों में प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी को मौजूदा 6.7 प्रतिशत से बढ़ाकर 2030 तक 15 प्रतिशत करने का लक्ष्य तय किया है। जैन ने एक साक्षात्कार में बताया, ÷हम 425 किलोमीटर लंबी गुरुदासपुर (पंजाब में) से जम्मू के रास्ते श्रीनगर तक पाइपलाइन बिछाने के लिए नियामक (पीएनजीआरबी) से मंजूरी हासिल करने की प्रक्रिया में हैं।÷ दुर्गम भौगोलिक क्षेत्र और काफी कम ग्राहकों के

कारण इस परियोजना के लिए सरकार से व्यवहार्यता अंतर वित्त पोषण की जरूरत है। उन्होंने कहा, यह परियोजना 3-4 साल में पूरी हो जाएगी। इसके साथ ही तेल मंत्रालय ने जम्मू-कश्मीर सरकार से कहा है कि ईंधन की लागत कम रखने के लिए प्राकृतिक गैस पर वैट न लगाया जाए। गेल मुंबई से झारसुगुडा (ओडिशा) होते हुए नागपुर और छत्तीसगढ़ के रायपुर तक 1,405 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछा रहा है।

जैन ने कहा, नागपुर तक का खंड मई 2023 तक चालू हो जाएगा और शेष हिस्सा अगले दो वर्षों में पूरा हो जाएगा।

चीन से आयात आधा होने पर जीडीपी में 20 अरब डॉलर की बढ़ोतरी होगी

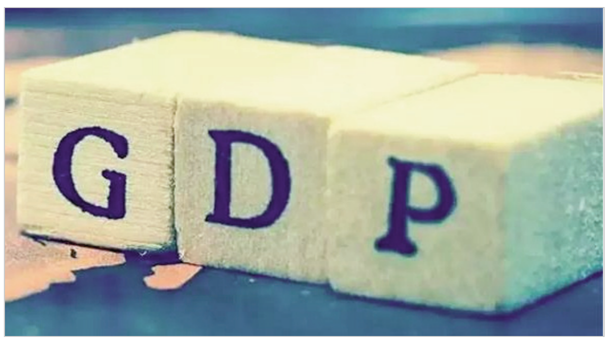

मुंबई।

भारत उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का फायदा उठाकर अगर चीन से होने वाले आयात पर अपनी निर्भरता को 50 प्रतिशत तक कम करने में सफल रहता है, तो उसके सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 20 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हो सकती है। एसबीआई रिसर्च की मंगलवार को जारी रिपोर्ट 'इकोरैप' में यह अनुमान जताया गया। इसके मुताबिक, चीन के साथ अपने व्यापार घाटे को भारत वर्ष 2020-21 में कम करने में सफल रहा लेकिन भारत के कुल वस्तुओं के आयात में चीन की हिस्सेदारी 16.5 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। रिपोर्ट कहती है कि वर्ष 2020-21 में चीन से किए गए 65 अरब डॉलर के आयात में करीब 39.5 अरब डॉलर मूल्य जिंसों एवं उत्पादों का रहा था। भारत ने कपड़ा, कृषि उत्पाद, इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद, फार्मा एवं रसायन क्षेत्रों में उत्पादन बढ़ाने के लिए पीएलआई योजनाओं की घोषणा की है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ''अगर पीएलआई योजनाओं की वजह से हम चीन से होने वाले आयात को 20 प्रतिशत तक भी कम कर पाने में सफल रहते हैं, तो हम अपनी जीडीपी में आठ अरब डॉलर की वृद्धि कर लेंगे। वहीं चीन पर आयात निर्भरता में 50 फीसदी कमी होने पर हमारी जीडीपी में 20 अरब डॉलर की वृद्धि हो जाएगी।'' चालू वित्त वर्ष की पहली तीन तिमाहियों में भारत ने चीन से 68 अरब डॉलर मूल्य के उत्पादों का आयात किया है। तो हम अपनी जीडीपी में आठ अरब डॉलर की वृद्धि कर लेंगे। वहीं चीन पर आयात निर्भरता में 50 फीसदी कमी होने पर हमारी जीडीपी में 20 अरब डॉलर की वृद्धि हो जाएगी।'' चालू वित्त वर्ष की पहली तीन तिमाहियों में भारत ने चीन से 68 अरब डॉलर मूल्य के उत्पादों का आयात किया है।

कमजोर मांग के कारण मूंगफली, सरसों तेल के भाव स्थिर

नयी दिल्ली। शिकॉगो के बाजार में तेजी के बावजूद घरेलू बाजार में मांग के कमजोर रहने से दिल्ली तेल तिलहन बाजार में बुधवार को मूंगफली, सरसों तेल के भाव पूर्वस्तर पर रहे। वही पामोलिन और सीपीओ तेल की कीमतों में सुधार दर्ज किया गया। बाजार सूत्रों ने बताया कि शिकॉगो एक्सचेंज में जहां 0.8 प्रतिशत की तेजी रही, वही मलेशिया एक्सचेंज 0.65 प्रतिशत की गिरावट में रहा। उन्होंने बताया कि मलेशियाई बाजार मंदा होने के बावजूद बेपड़ता होने की वजह से पामोलिन और सीपीओ तेल की कीमतों में सुधार दर्ज किया गया। हालांकि इनकी मांग ज्यादा नहीं है। बाजार में थोक भाव इस प्रकार रहे- (भाव- रुपये प्रति क्विंटल) सरसों तिलहन - 8400-8430 (42 प्रतिशत कंडीशन का भाव) रुपये। मूंगफली - 5,875 - 5,970 रुपये। मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) - 13,050 रुपये। मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2050 - 2,225 रुपये प्रति टिन। सरसों तेल दादरी- 16,700 रुपये प्रति क्विंटल। सरसों पक्की घानी- 2465-2515 रुपये प्रति टिन । सरसों कच्ची घानी- 2665-2760 रुपये प्रति टिन। तिल तेल मिल डिलिवरी - 16,700-18,200 रुपये। सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली- 14,150 रुपये। सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर- 13,900 रुपये। सोयाबीन तेल डीगम, कांडला- 12,800। सीपीओ एक्स-कांडला- 12,100 रुपये। बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा)- 13,000 रुपये। पामोलिन आरबीडी, दिल्ली- 13,750 रुपये। पामोलिन एक्स- कांडला- 12,600 (बिना जीएसटी के)। सोयाबीन दाना 6800-6850। सोयाबीन लूज 6600-6740 रुपये। मक्का खल (सरिस्का) 4,000 रुपये।

इस साल विज्ञापन खर्च के मामले में टेलीविजन को पीछे छोड़ देगा डिजिटल: रिपोर्ट

मुंबई।

भारत में विज्ञापन खर्च वर्ष 2022 में 22 प्रतिशत की दर से बढ़कर 1.08 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच जाने का अनुमान है। इस दौरान डिजिटल माध्यमों पर विज्ञापन व्यय टेलीविजन को भी पीछे छोड़ देगा। मीडिया एजेंसी ग्रुपम की तरफ से मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में यह अनुमान जताया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2021 में भारतीय विज्ञापन राजस्व 26.5 प्रतिशत की दर से बढ़कर 88,334 करोड़ रुपये रहा था। हालांकि, इस उच्च वृद्धि का कारण महामारी से बुरी तरह प्रभावित वर्ष 2020 की वजह से निम्न आधार प्रभाव रहा है। रिपोर्ट कहती है कि वर्ष 2022 में डिजिटल मंचों का विज्ञापन राजस्व 33 प्रतिशत की दर से बढ़कर 48,603 करोड़ रुपए पहुंचने की संभावना है। वर्ष 2021 में भी डिजिटल मीडिया का विज्ञापन व्यय 38 प्रतिशत बढ़ा था। इसकी तुलना में विज्ञापनों के पसंदीदा माध्यम रहे टेलीविजन पर विज्ञापन व्यय 15 प्रतिशत की ही दर से बढ़कर 42,388 करोड़ रुपए रहने की संभावना इस रिपोर्ट में जताई गई है। ग्रुपम के मुख्य कार्यकारी (दक्षिण एशिया) प्रशांत कुमार ने कहा, ''महामारी की वजह से विज्ञापन राजस्व के मामले में डिजिटल की तरफ झुकाव दिखा है। विज्ञापनदाता इस माध्यम को आगे भी अधिक तरजीह देने के इच्छुक नजर आ रहे हैं।'' रिपोर्ट के मुताबिक, डिजिटल विज्ञापन को गति देने में छोटे कारोबारी खंड का बड़ा योगदान है। वहीं अपने परिचालन व्यय के लिए काफी हद तक विज्ञापन राजस्व पर निर्भर प्रिंट मीडिया में विज्ञापन व्यय के इस साल करीब पांच प्रतिशत बढ़कर 12,667 करोड़ रुपए रहने का अनुमान है ।

जो 2021 में 17 प्रतिशत बढ़ा था। हालांकि वर्ष 2022 में सिनेमाघरों के दोबारा खुलने की संभावना को देखते हुए सिनेमा विज्ञापनों में 467 प्रतिशत की जोरदार उछाल के साथ 635 करोड़ रुपए हो जाने की संभावना है। वर्ष 2021 में यह सिर्फ 112 करोड़ रुपए ही रहा था।

एलएलपी कंपनियों के जुर्माना संबंधी प्रावधानों में संशोधन

नई दिल्ली। कंपनी मामलों के मंत्रालय ने सीमित दायित्व भागीदारी (एलएलपी) वाली फर्मों से संबंधित नियमों में बदलाव करने के साथ ही जुर्माना लगाने के लिए एक प्रारूप भी निर्धारित किया है। संशोधित नियमों के मुताबिक, केंद्र सरकार एलएलपी अधिनियम के प्रावधानों के तहत जुर्माना लगाने के लिए पंजीयक स्तर और उससे ऊपर के अधिकारियों को निर्णायक प्राधिकारी नियुक्त कर सकती है। किसी एलएलपी फर्म, साझेदार या किसी भी अन्य व्यक्ति पर जुर्माना लगाने के पहले निर्णायक प्राधिकारी को उसे कारण-बताओ नोटिस जारी करना होगा। नए नियम एक अप्रैल, 2022 से प्रभावी होंगे। सलाहकार फर्म ईवाई के साझेदार (अनुपालन एवं गवर्नेंस) संपत राजगोपालन ने कहा कि एलएलपी अधिनियम में किए गए बदलाव इस कानून को अधिक आकर्षक, विश्वसनीय एवं कारोबार के लिए मैत्रीपूर्ण बनाने की पहल हैं। उन्होंने कहा कि ये बदलाव कारोबार की नजर में एलएलपी को एक विकल्प के तौर पर देखने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं जिसमें सीमित दायित्व का लाभ हो।पिछले साल एलएलपी अधिनियम के तहत कई प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया गया था। पिछले साल एलएलपी अधिनियम के तहत कई प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया गया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

श्रेयस अय्यर होंगे कोलकातना नाईट राइडर्स के कप्तान, टीम ने की घोषणा

स्पोर्ट्स डेस्क । आईपीएल ऑक्शन में कोलकाता नाईट राईडर्स फ्रेंचाइजी ने श्रेयस अय्यर को मोटी रकम खर्च करके अपनी टीम में शामिल किया है। कोलकाता ने श्रेयस अय्यर को खरीदने के लिए 12.25 करोड़ रुपए की राशि खर्च की है। अब कोलकाता नाईट राईडर्स ने सोशल मीडिया पर घोषणा करते हुए अय्यर को टीम का नया कप्तान बनाया है। श्रेयस अय्यर अब कोलकाता नाईट राईडर्स टीम की कमान संभालेंगे। कोलकाता की टीम में शामिल होने पर श्रेयस अय्यर ने बयान देते हुए कहा था कि कोलकाता परिवार का हिस्सा बनकर मैं काफी खुश। मैं इस सीजन में टीम के साथी खिलाड़ियों और स्पोर्ट स्टाफ के साथ काम करने के लिए बहुत उत्साहित हूं। यह काफी रोमांचक होने वाला है क्योंकि मैं इस टीम के साथ खेलना बहुत ही बढ़िया अहसास होगा। गौर हो कि श्रेयस अय्यर ने आईपीएल में 87 मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 31.66 की औसत से 2,375 रन बनाए हैं। अय्यर ने अपनी कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स को 2020 के आईपीएल सीजन में फाइनल तक पहुंचाया था। जहां दिल्ली की टीम को मुंबई से हार का सामना करना पड़ा था।

भारतीय हॉकी टीम

भारतीय हॉकी टीम के हालिया प्रदर्शन पर आईओए प्रमुख नरिंदर बत्रा ने जताया रोष

नई दिल्ली । भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) एवं अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के प्रमुख डॉ नरिंदर ध्रुव बत्रा ने भारतीय पुरुष हॉकी टीम के हालिया प्रदर्शन पर रोष जताया है। बत्रा ने यहां तक कि पुरुष हॉकी टीम के इनकंसिस्टेंट प्रदर्शन के लिए हॉकी इंडिया से स्पष्टीकरण मांगा है। ऐसे में अब हॉकी इंडिया के अधिकारी इस हफ्ते आईओए के अध्यक्ष से मुलाकात करेंगे, हालांकि हॉकी के एक पूर्व महान खिलाड़ी ने नरिंदर बत्रा के इस हस्तक्षेप पर आश्चर्य जताया है। आईओए प्रमुख बत्रा ने मंगलवार को हॉकी इंडिया को एक संदेश में हाल के टूर्नामेंटों में भारतीय पुरुष हॉकी टीम के प्रदर्शन को अस्वीकार्य करार देते हुए इसके पीछे के कारण बताने के लिए कहा है। बत्रा ने हॉकी इंडिया के अध्यक्ष ज्ञानेंद्रो निंगोमबम, महासचिव राजिंदर सिंह और सीईओ एलेना नॉर्मन को कड़े शब्दों में कहा कि उन्हें टोक्यो ओलंपिक 2020 में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीत के बाद टीम के प्रदर्शन को लेकर काफी चिंता है। बत्रा के इस पत्र ने हॉकी इंडिया को चौंका दिया है। इस मामले से परिचित सूत्र ने बताया कि टीम प्रबंधन ने मैदान में कोर ग्रुप के रिजर्व खिलाड़ियों को आजमाया, क्योंकि उन्होंने पिछले दो वर्षों से कोई अंतरराष्ट्रीय हॉकी मैच नहीं खेला था। हाल ही में संपन्न एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में टीम का सेमीफाइनल में जापान के खिलाफ प्रदर्शन निराशाजनक रहा और वह खिताब को डिफेंड करने में विफल रही। वहीं मौजूदा एफआईएच प्रो लीग टूर्नामेंट में फ्रांस के खिलाफ दूसरे मैच में भारत का दबदबा रहा, लेकिन एकाग्रता में कुछ चूक की कीमत उसे चुकानी पड़ी। `समझा जाता है कि बत्रा ने अपने संदेश में बिना कुछ बताए टीम प्रबंधन की ओर भी उंगली उठाई है। टीम के सूत्रों ने बताया कि वह फ्रांस से हार के बाद कुछ गंभीर मीडिया रिपोटरं से खुश नहीं थे और हॉकी इंडिया के शीर्ष अधिकारियों ने बाद में उनके साथ तर्क -वितर्क किया।

फीडे ग्रां प्री फाइनल - अरोनियन और नाकामुरा का बराबरी पर छूटा मुक़ाबला

जर्मनी । फीडे ग्रां प्री सीरीज के पहले पड़ाव बर्लिन ग्रां प्री में यूएसए के हिकारु नाकामुरा और लेवोन अरोनियन के बीच फाइनल मुक़ाबले का पहला राउंड वैसे तो बराबरी पर समाप्त हुआ पर इस दौरान कई ऐसे मौके आए जब पडला अरोनियन के पक्ष में झुकता नजर आया । सफ़ेद मोहरो से खेल रहे हिकारु नें राय लोपेज ओपनिंग मे खेल को रोचक बनाने की कोशिश की पर लेवोन अरोनियन के अनुभव और शानदार चालों से खेल मे हिकारु कभी भी बढ़त नहीं बना सके , अंत मे 54 चालों मे जब खेल खत्म हुआ तब नाकामुरा बोर्ड पर दो वजीर बना चुके थे पर लेवोन नें लगातार शह देते हुए मैच ड्रॉ करा लिया . अब देखना होगा की क्या सफ़ेद मोहरो से अरोनियन जीत हासिल करेंगे यह नाकामुरा इस मैच को जीतकर फीडे कैंडीडेट की ओर कदम बढ़ाएँगे । फीडे कैंडीडेट में अंतिम दो स्थान को भरने के लिए फीडे ग्रां प्री ही आखिरी सीढ़ी है और जब अब पहला टूर्नामेंट खत्म होने को है फिलहाल अरोनियन और नाकामुरा ही उस दौड़ में सबसे आगे नजर आते है । काले मोहरो से मुक़ाबले को ड्रॉ खेलने के बाद जब अरोनियन सफ़ेद मोहरो से दूसरा मुक़ाबला खेलेंगे उनके खिताब जीतने की जोरदार संभावना होगी ।

आईसीसी टी20 रैंकिंग में केएल राहुल और विराट टॉप 10 में बरकरार

दुबई । भारतीय सलामी बल्लेबाज केएल राहुल और पूर्व कप्तान विराट कोहली बुधवार को जारी आईसीसी पुरुष टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में क्रमशः चौथे और 10वें स्थान पर बने हुए हैं। गेंदबाजों और ऑलराउंडरों की सूची में कोई भी भारतीय शीर्ष 10 में शामिल नहीं है। आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के हाल के अच्छे प्रदर्शन के कारण गेंदबाजी रैकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के तबरेज शम्सी इस सूची में शीर्ष पर हैं। वनडे रैंकिंग में कोहली और रोहित शर्मा बल्लेबाजी में क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर बने हुए हैं। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम शीर्ष पर हैं। भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर और सूर्यकुमार यादव की रैंकिंग में सुधार हुआ है। सूर्यकुमार ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे वनडे में 64 और अय्यर ने तीसरे वनडे में 80 रन बनाकर भारत की श्रृंखला में 3-0 से जीत में अहम भूमिका निभाई थी। ऋषभ पंत ने भी तीसरे मैच में अर्धशतक जड़ा था जिससे वह 469 अंकों के साथा 71वें स्थान पर पहुंच गये हैं। गेंदबाजों की सूची में भारतीय तेज गेंदबाजी के अगुआ जसप्रीत बुमराह सातवें स्थान पर बने हुए हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ नौ विकेट लेने वाले प्रसिद्ध कृष्णा 50 स्थान की छलांग लगाकर 44वें स्थान पर पहुंच गये हैं। न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं जबकि बांग्लादेश के स्टार शाकिब अल हसन आलराउंडरों की सूची में चोटी पर हैं।

बत्रा के रवैये से हैरान है हॉकी इंडिया, आईओए प्रमुख से इस सप्ताह करेंगे बैठक

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष हॉकी टीम के हाल में उतार चढ़ाव वाले प्रदर्शन पर नरिंदर बत्रा के कड़े संदेश और स्पष्टीकरण देने की मांग से हैरान हॉकी इंडिया के अधिकारी इस सप्ताह भारतीय ओलिम्पिक संघ (आईओए) के अध्यक्ष से मुलाकात करेंगे। बत्रा ने भारतीय पुरुष हॉकी टीम के हाल के प्रदर्शन को 'अस्वीकार्य' करार दिया और मंगलवार को भेजे गए इस संदेश में हॉकी इंडिया से इसके कारणों के बारे में बताने को कहा। बत्रा अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के भी अध्यक्ष हैं। हाकी इंडिया के अध्यक्ष ज्ञानेंद्रो निगोमबाम, महासचिव राजिंदर सिंह और सीईओ इलेनाा नोर्मन कोक भेजे गए पत्र में बत्रा ने कहा कि पिछले साल टोक्यो ओलिम्पिक में कांस्य पदक जीतने के बाद टीम के प्रदर्शन पर उन्हें गहरी चिंता है। इस घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले सूत्रों का कहना है कि बत्रा के पत्र से हॉकी इंडिया हैरान है। ओलिम्पिक के बाद टीम पहले एशियाई चैम्पियन्स ट्राफी (एसीटी) में खेली जहां ओलिम्पिक में कांस्य पदक जीतने वाली टीम के केवल 8 सदस्यों ने हिस्सा लिया। उन्होंने कहा- टीम प्रबंधन ने एसीटी में कोर ग्रुप के रिजर्व खिलाडियों को आजमाया क्योंकि पिछले दो वर्षों से उन्होंने कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला था। टीम ने केवल सेमीफाइनल में जापान के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन नहीं किया जिससे वह खिताब बचाने में असफल रही। सूत्रों ने कहा कि प्रो लीग में फ्रांस के खिलाफ दूसरे मैच में भारत ने दबदबा बनाए रखा था लेकिन कुछ खामियों के कारण उसे हार का सामना करना पड़ा। बत्रा ने अपने पत्र में टीम प्रबंधन पर भी उंगली उठाई थी, लेकिन उन्होंने किसी का जिक्र नहीं किया था। सूत्रों ने कहा कि इस मामले पर बात करने के लिए बत्रा के इस सप्ताह हाकी इंडिया के अधिकारियों से मिलने की संभावना है। कोचिंग स्टाफ भी वर्चुअल रूप से इसमें भाग ले सकता है। यह सामान्य बैठक ही होगी जिसमें पिछले कुछ मैचों में टीम के प्रदर्शन की समीक्षा की जाएगी लेकिन कोई कड़ा फैसला लेने की संभावना नहीं है। हालांकि पूर्व ओलंपियन असलम

शेर खान ने हॉकी इंडिया के मामलों में दिलचस्पी लेने के बत्रा के रवैये पर सवाल उठाए और इसे हितों के टकराव का मामला बताया। उन्होंने कहा- निश्चित रूप से बत्रा का हस्तक्षेप हितों का टकराव है। वह एफआईएच के अध्यक्ष हैं और उस पद पर होने के कारण वह किसी भी तरह से राष्ट्रीय महासंघ के मामलों में हस्तक्षेप नहीं कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

जाहन्वी को महिला प्रो गोल्फ के दूसरे चरण में बढ़त

विशाखापट्टनम । पिछले साल चार खिताब जीतने वाली जाहन्वी बख्शी ने हीरो महिला प्रो गोल्फ टूर के दूसरे चरण में बुधवार को 4 अंडर 68 का स्कोर बनाकर बढ़त हासिल की। इस 19 वर्षीय खिलाड़ी ने बर्डी से शुरुआत की तथा इसके बाद सातवें से 14वें होल के बीच 5 बर्डी और बनायी। इस बीच उन्होंने छठे और 13वें होल में बोगी की। जाहन्वी ने रिदिमा दिलावरी (69) पर एक शॉट तथा तीसरे नंबर पर काबिज एमेच्योर स्नेहा सिंह पर 2 शॉट की बढ़त बनाई है। श्वेता मानसिंह (71) चौथे जबकि सहर अटवाल, रिया पुरवी सर्वनन और नयनिका सांघा इवन पार 72 का स्कोर बनाकर संयुक्त पांचवें स्थान पर हैं।

हिरासत के दौरान कैसा महसूस कर रहे थे नोवाक जोकोविच, अब किया खुलासा

नई दिल्ली । विश्व के नंबर एक खिलाड़ी और 20 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने खुलासा किया है कि उन्होंने पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया में हिरासत के दौरान खुद को 'शक्तिहीन महसूस किया था। उल्लेखनीय है कि जोकोविच द्वारा टीकाकरण की स्थिति घोषित न किए जाने चलते ऑस्ट्रेलिया के आव्रजन मंत्री एलेक्स हॉक ने जोकोविच का वीजा रद्द कर दिया था। इसके चलते जोकोविच को ऑस्ट्रेलिया में प्रवेश से वंचित कर दिया गया था और आव्रजन बंदी में सात दिन बिताए थे। इतना ही नहीं वह ऑस्ट्रेलियन ओपन में भाग नहीं ले सके थे। एक साक्षात्कार में जोकोविच के हवाले से कहा गया कि यकीनन यह सुखद नहीं था। मैं यहां बैठकर उस डिटेंशन सेंटर की परिस्थितियों के बारे में शिकायत नहीं करना चाहता। मैं सात दिन वहां रहा। हां, इस दौरान मुझे शक्तिहीन महसूस हुआ। जब मैं वहां (ऑस्ट्रेलिया) पहुंचा तो मुझे तीन-चार घंटे अपने फोन का उपयोग करने की अनुमति नहीं थी। उन्होंने कहा, 'रात के 1 बजे से सुबह 9 बजे तक मुझे नींद नहीं आई, क्योंकि मुझसे हर 30 मिनट में पूछताछ हो रही थी। मैरे कई साक्षात्कार हुए। वे शुरू हुए और फिर रुक गए और फिर शुरू हुए।

सानिया और हरडेका की जोड़ी दुबई टेनिस चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में

दुबई । भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा और चेक गणराज्य की उनकी जोड़ीदार लूसी हरडेका ने संघर्षपूर्ण जीत के साथ दुबई टेनिस चैंपियनशिप के महिला युगल के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। सानिया और हरडेका ने मंगलवार की रात खेले गये मैच में चीनी ताइपे की चान हाओ चिंग और नीदरलैंड की दुनिया में 12वें नंबर की डेमी शूर्स को एक घंटे 55 मिनट में 7-6, 5-7, 11-9 से हराया। सानिया और हरडेका को इस प्रतियोगिता में वाइल्ड कार्ड से प्रवेश मिला है। इस डब्ल्यूटीए 500 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला जापान की शुको आओयामा और सर्बिया की एलेक्जेंड्रा क्रुनिच से होगा।

पाकिस्तान टेस्ट सीरीज के लिए नेसर की जगह इस अनकैप्ड तेज गेंदबाज को मिली जगह

मेलबोर्न । ऑस्ट्रेलिया के अनकैप्ड तेज गेंदबाज मार्क स्टेकेटी को पाकिस्तान के खिलाफ आगामी तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए चोटिल माइकल नेसर की जगह ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया गया है। वहीं एक अन्य अनकैप्ड तेज गेंदबाज ब्रेंडन डोगेट और अनकैप्ड ऑलराउंडर सीन एबट को टेस्ट सीरीज के लिए स्टैंडबाय खिलाड़ी के तौर पर टीम के साथ रखा जाएगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को इसकी पुष्टि करते हुए कहा, 'माइकल नेसर को आज मांसपेशियों में खिंचाव के कारण सीरीज से बाहर कर दिया गया है। मार्क स्टेकेटी को उनके रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम में शामिल किया गया है, जो ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल होने से पहले विक्टोरिया के खिलाफ इस हफ्ते शेफील्ड शील्ड मैच खेलेंगे। ब्रेंडन डोगेट और सीन एबट भी स्टैंडबाय खिलाड़ियों के रूप में अगले सप्ताह टीम में शामिल होंगे। न्यू साउथ वेल्स के खिलाफ सोमवार को क्वींसलैंड के मार्श वन-डे कप मैच में नेसर की मांसपेशियों में खिंचाव आया था, जिसके चलते वह पाकिस्तान दौरे से बाहर हो गए। अनकैप्ड स्टेकेटी 2021 में दक्षिण अफ्रीका के दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया की विस्तारित टीम का हिस्सा थे, हालांकि दौरे को बाद में रद्द कर दिया गया था। फरवरी 2015 में तस्मानिया के खिलाफ क्वींसलैंड के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण करने वाले स्टेकेटी ने प्रथम श्रेणी करियर में 51 मैचों में 25.67 के औसत से 182 विकेट लिए हैं। उन्होंने मौजूदा शेफील्ड शील्ड टूर्नामेंट में भी 16.31 के प्रभावशाली औसत से 29 विकेट लिए हैं। दूसरी ओर डोगेट ने इस सीजन प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 21.45 के औसत से 11 विकेट लिए हैं। वह पिछले साल मई में दक्षिण ऑस्ट्रेलिया में जाने से पहले क्वींसलैंड सेट-अप का भी हिस्सा थे, जिसने 2020-21 में शेफील्ड शील्ड खिताब जीता था।

ऑस्ट्रेलिया पाकिस्तान के खिलाफ चार मार्च से रावलपिंडी में पहला टेस्ट मैच खेलेगा। दूसरा टेस्ट 12 से 16 मार्च तक कराची, जबकि तीसरा और आखिरी टेस्ट मैच लाहौर में 21 से 25 मार्च तक खेला जाएगा। इसके बाद दोनों टीमें फिर से रावलपिंडी जाएंगी, जहां 29 मार्च, 31 मार्च और दो अप्रैल को तीन वनडे, जबकि पांच अप्रैल को एकमात्र टी-20 मैच खेला जाएगा। पाकिस्तान दौरे के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम = पैट कमिंस (कप्तान), स्टीवन स्मिथ (उप कप्तान), डेविड वार्नर, एश्टन एगर, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर, कैमरन ग्रीन, मार्कस हैरिस, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिचेल मार्श, मिचेल स्टार्क, मार्क स्टेकेटी, मिचेल स्वेपसन।

पाकिस्तान दौरे के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम : पैट कमिंस (कप्तान), स्टीवन स्मिथ (उप कप्तान), डेविड वार्नर, एश्टन एगर, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर, कैमरन ग्रीन, मार्कस हैरिस, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिचेल मार्श, मिचेल स्टार्क, मार्क स्टेकेटी, मिचेल स्वेपसन।

मैक्सवेल ने शादी का कार्ड वायरल होने पर दी प्रतिक्रिया, कहा- हमें अब अतिरिक्त सुरक्षा की जरूरत है

स्पोर्ट्स डेस्क । विस्फोटक ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ग्लेन मैक्सवेल विनी रमन से शादी करने वाले हैं और उनका शादी का कार्ड जो तमिल में छपा है सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस कार्ड के वायरल होने के बाद मैक्सवेल की प्रतिक्रिया सामने आई है। मैक्सवेल को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के एक पूर्व साथी द्वारा सूचित किया गया था कि उनकी शादी का कार्ड लीक हो गया है और इंटरनेट पर तमिल भाषा में छपे आमंत्रण की कई प्रतियां वायरल हो रही हैं। शादी का निमंत्रण भारतीय अभिनेता कस्तूरी शंकर द्वारा सोशल मीडिया पर साझा किया गया था और मैक्सवेल ने स्वीकार किया कि उनका बड़ा दिन अब थोड़ा अधिक तनावपूर्ण होगा क्योंकि तमिल भाषी मेलबर्न में समय और स्थान के बारे में जानते हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से बातचीत में मैक्सवेल ने कहा, यह सही नहीं था। हमें अब शादी के लिए अतिरिक्त सुरक्षा की जरूरत है। यह एक निजी कार्यक्रम माना जा रहा था और दुर्भाग्य से भारत में रिश्तेदार बस थोड़ा उत्साहित हो गए और कुछ दोस्तों को दिखाने का फैसला किया। मुझे इसे बहुत सारे लोगों द्वारा ट्वीट किया जा रहा है। तो यह एक झटका था। दो दिन हो गए हैं। विस्फोटक बल्लेबाज ने हाल ही में 25 गेंदों में 39 रनों की पारी खेली और ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका को छह विकेट से हराकर अपना लगातार तीसरा मैच जीत लिया और श्रृंखला को भी अपने नाम कर ली। जैसे ही ऑस्ट्रेलिया ने तीन ओवर शेष रहते 122 रनों का आसान लक्ष्य पूरा किया, तेज गेंदबाज केन रिचर्डसन को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए तीन विकेट लेने के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। टी20 विश्व कप विजेता अब नम्र दिखने वाले श्रीलंका को 5-0 से वाइटवॉश करना चाहेंगा। सीरीज के बाकी दो मैच मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेले जाएंगे।

शीतकालीन ओलंपिक में भारतीय अभियान का निराशाजनक अंत, रेस पूरी नहीं कर पाए आरिफ

बीजिंग । शीतकालीन ओलंपिक खेलों में भाग ले रहे भारत के एकमात्र खिलाड़ी अल्पाइन स्कीयर आरिफ खान बुधवार को यहां पुरुषों की स्लैलम स्पर्धा में रेस पूरी नहीं कर पाये जिससे इन खेलों में देश के अभियान का निराशाजनक अंत हुआ। जम्मू कश्मीर के बारामुला जिले के 31 वर्षीय आरिफ जाइंट स्लैलम में रविवार को 45वें स्थान पर रहे थे लेकिन वह यांकिंग नेशनल अल्पाइन स्कीइंग सेंटर में स्लैलम स्पर्धा में पहली रेस ही पूरी नहीं कर पाए। शीतकालीन ओलंपिक में पदार्पण कर रहे आरिफ पहली रेस पूरी नहीं कर पाने के कारण दूसरी रेस में भाग नहीं ले पाए। इस स्पर्धा में 88 खिलाड़ियों ने भाग लिया था जिनमें से केवल 52 ही रेस पूरी कर पाये जो दूसरी रेस में भाग लेंगे। आरिफ ने बहुत अच्छी शुरुआत की। उन्होंने पहले चरण को 14.40 सेकेंड और दूसरे चरण को 34.24 सेकेंड में पूरा किया लेकिन अंतिम चरण को पूरा करने में नाकाम रहे। ऑस्ट्रिया के योहान्स स्ट्रोल्ज़ 53.92 सेकेंड के समय के साथ पहली रेस में सबसे तेज स्कीयर थे। नॉर्वे के हेनरिक क्रिस्टोफ़र्सन (53.94 सेकेंड) और सेबेस्टियन फ़ॉस सिलेवाग (53.98 सेकेंड) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। शीतकालीन ओलंपिक की दो स्पर्धाओं के लिए क्वालीफाई करने वाले पहले भारतीय आरिफ ने जाइंट स्लैलम स्पर्धा में कुल दो मिनट 47.24 सेकेंड का समय निकाला था और वह 45वें स्थान पर रहे थे।

रोहित शर्मा की प्रैस कॉन्फ्रैंस के दौरान शुरू हुई वर्ल्ड वॉर की अनाउंसमैंट, कप्तान ने दिया ऐसा रिएक्शन

स्पोर्ट्स डेस्क । भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज का आगाज से कोलकाता के ईडेन गार्डंस में शुरू हो रहा है। इस सीरीज से पहले भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने प्रैस कॉन्फ्रैंस की। पर इस कॉन्फ्रैंस में कुछ ऐसा हुआ कि भारतीय कप्तान रोहित शर्मा कुछ देर के लिए हैरान हो गए और वह बोलते हुए बीच में रुक गए। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा टी20 सीरीज को लेकर मीडिया से बात कर रहे थे। रोहित बता रहे थे कि भारतीय टीम की टी20 सीरीज को लेकर क्या रणनीति है और कोलकाता की पिच कैसी है। पर तभी पीछे एक आवाज आती है जिसमें साफ-साफ सुना जा सकता है कि थर्ड वर्ल्ड वॉर का काउंटडाउन ऑन। जैसे ही रोहित शर्मा ने यह आवाज सुनी वह बीच में ही रुक गए। कुछ देर चलने के बाद यह आवाज बंद हो गई और रोहित शर्मा ने दोबारा बोलना शुरू किया। इस तरह से बीच में ही आवाज आने से कप्तान रोहित शर्मा नाराज भी दिखे और यह साफ उनके चेहरे से दिख रहा था। अब इसकी वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है। गौर हो कि इस समय रूस और यूक्रेन के बीच हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो रूस किसी भी समय यूक्रेन पर हमला कर सकता है जिससे तीसरे वर्ल्ड वॉर की संभावना जताई जा रही है। यही कारण है कि जब रोहित शर्मा प्रैस कॉन्फ्रैंस कर रहे थे तब किसी टीवी से यह आवाज सुनाई देने को पड़ी।

देहरादून, देहरादून जिले का मुख्यालय है जो भारत की राजधानी दिल्ली से 230 किलोमीटर दूर दून घाटी में बसा हुआ है। 9 नवंबर, 2000 को उत्तर प्रदेश राज्य को विभाजित कर जब उत्तराखण्ड राज्य का गठन किया गया था, उस समय इसे उत्तराखण्ड (तब उत्तरांचल) की अंतरिम राजधानी बनाया गया। देहरादून नगर पर्यटन, शिक्षा, स्थापत्य, संस्कृति और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है। इसका विस्तृत पौराणिक इतिहास है।

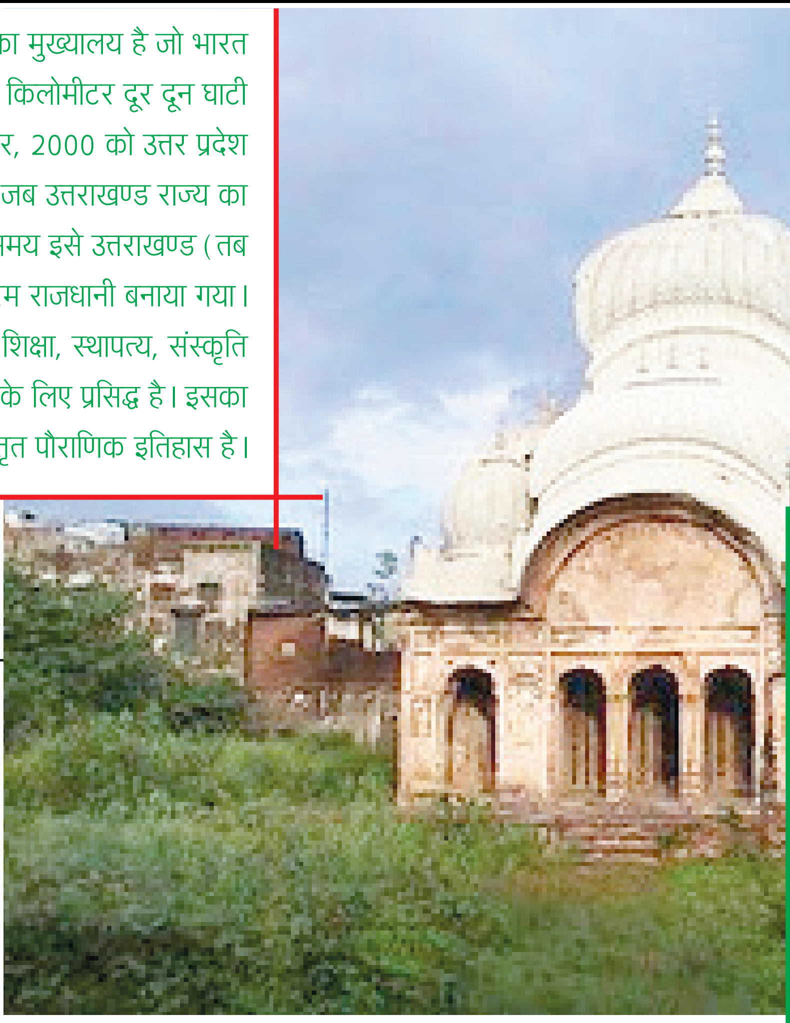

प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध

देहरादून

इतिहास

देहरादून का इतिहास कई सौ वर्ष पुराना है। देहरादून से 56 किलोमीटर दूर कालसी के पास स्थित शिलालेख से इस पर तीसरी सदी ईसा पूर्व में सम्राट अशोक का अधिकार होने की सूचना मिलती है। देहरादून ने सदा से ही आक्रमणकारियों को आकर्षित किया है। खलीलुल्लाह खान के नेतृत्व में 1654 में इस पर मुगल सेना ने आक्रमण किया था। सिरमोर के राजा सुभाक प्रकाश की सहायता से खान गढ़वा के राजा पृथ्वी शाह को हराने में सफल रहे। गद्दी से अपदस्थ किए गए राजा को इस शर्त पर गद्दी पर आसीन किया गया कि वे नियमित रूप से मुगल बादशाह शाहजहाँ को कर चुकाया करेंगे। इसे 1772 में गुज्जरों ने लूटा था। तत्कालीन राजा ललत शाह जो पृथ्वी शाह के वंशज थे, की पुत्री की शादी गुलाब सिंह नामक गुज्जर से की गई थी। गुलाब सिंह के पुत्र का नियंत्रण देहरादून पर था और उनके वंशज इस समय भी नगर में मिल सकते हैं। गढ़वाल के राजा ललत शाह के पुत्र प्रदुमन शाह के शासन काल में रोहिल्ला नजीब के पोते गुलाम कादिर के नेतृत्व में अफगानों का आक्रमण हुआ। जिसमें उसने गुरू राम राय के अनुयायियों और शिष्यों को मौत के घाट उतार दिया। जिन लोगों ने हिन्दू धर्म त्यागने का निर्णय लिया, उन्हें छोड़ दिया गया। लेकिन अन्य लोगों के साथ बहुत निमर्मतापूर्वक व्यवहार किया गया। सहारनपुर के राज्यपाल और अफगान प्रमुख नजीबुदौल्ला भी देहरादून को अपने अधिकार में करने के उद्देश्य में सफल रहा उसके बाद देहरादून पर गुज्जरों, सिक्खों, राजपूतों और गोरखाओं के लगातार आक्रमण हुए और यह उपजाऊ और सुंदर भूमि शीघ्र ही बंजर स्थल में बदल गई। 1783 में एक सिक्ख प्रमुख बुघेल सिंह ने देहरादून पर आक्रमण किया और बिना किसी बड़े प्रतिरोध के सहजता से इस क्षेत्र को जीत लिया। 1786 में देहरादून पर गुलाम कादिर का आक्रमण हुआ। उसने पहले हरिद्वार को लूटा और फिर देहरादून पर कहर बरपाया। उसने नगर पर आक्रमण किया और उसे जमकर लूटा तथा बाद में देहरादून को बर्बाद कर दिया। 1801 तक अमर सिंह थापा के नेत्वृत्व में गोरखा ने दून घाटी पर आक्रमण किया और उस पर अधिकार कर लिया। 1814 में नालापानी के लिए अमर सिंह थापा के पोते बालभद्र सिंह थापा के नेत्वृत्व में गोरखा और जनरल जिलेस्पी के नेत्वृत्व में ब्रिटिश के बीच युद्ध हुआ। गोरखाओं ने इस लड़ाई में जमकर बराबरी कि और जनरल समेत कई ब्रिटिश सेनाओं को अपने प्राणों से हाथ धोना पड़ा। इस बीच गोरखाओं को एक असामान्य स्थिति का सामना करना पड़ा और उन्हें नालापानी के किले को छोड़ कर जाना पड़ा। 1815 तक गोरखाओं को हरा कर ब्रिटिश शासन ने इस पूरे क्षेत्र पर अपना अधिकार कर लिया। देहरादून के दो स्मारक प्रसिद्ध हैं। इनमें से एक कलंगा स्मारक का निर्माण ब्रिटिश जनरल गिलेस्पी और उसके अधिकारियों की स्मृति में कराया गया है। दूसरा स्मारक गिलेस्पी से लोहा लेनेवाले कैप्टन बलभद्र सिंह थापा और उनके गोरखा सिपाहियों की स्मृति में बनवाया गया है। कालंगा गढ़ी सहस्त्रधारा सड़क पर स्थित है। घंटा घर से इसकी दूरी 4.5 किलोमीटर है। इसी वर्ष देहरादून तहसील के वर्तमान क्षेत्र को सहारनपुर जिले से जोड़ दिया गया। इसके बाद 1825 में इसे कुमाऊँ मण्डल को हस्तांतरित कर दिया गया। 1828 में अलग-अलग उपायुक्त के प्रभार के अंतर्गत देहरादून और जॉनसार बवार हस्तांतरित कर दिया गया और 1829 में देहरादून जिले को मेरठ खण्ड को हस्तांतरित कर दिया गया। 1842 में देहरादून को सहारनपुर जिले से जोड़ दिया गया और इसे जिलाधीश के अधिनस्थ एक अधिकारी के अधिकार क्षेत्र में रखा गया। 1871 से यह एक अलग जिला है। 1968 में इस जिले को मेरठ खण्ड से अलग करके गढ़वा खण्ड से जोड़ दिया गया।

दर्शनीय स्थल

तपकेश्वर मंदिर -यह मंदिर सिटी बस स्टेंड से 5.5 कि.मी. की दूरी पर गढ़ी कैंट क्षेत्र में एक छोटी नदी के किनारे बना है। सड़क मार्ग द्वारा यहां आसानी से पहुंचा जा सकता है। यहां एक गुफा में स्थित शिवलिंग पर एक चट्टान से पानी की बूंदें टपकती रहती हैं। शिवरात्रि के पर्व पर आयोजित मेले में लोग बड़ी संख्या में यहां एकत्र होते हैं और यहां स्थित शिव मूर्ति पर श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हैं।

मालसी डियर पार्क-देहरादून से 10 कि.मी. की दूरी पर मसूरी के रास्ते में यह एक सुंदर पर्यटन स्थल है जो शिवालिक श्रंखला की तलहटी में स्थित है। मालसी डियर पार्क एक छोटा सा चिड़ियाघर है जहां बच्चों के लिए प्राकृतिक सौंदर्य से घिरा एक पार्क भी विकसित किया गया है। सुंदर वातावरण के कारण यहां ताज़गी का अहसास होता है जिससे यह एक आदर्श दर्शनीय-स्थल और पिकनिक-स्पॉट बन चुका है। सहस्त्रधारा सल्फर मिश्रित पानी का झरना है, जिसका औषधिय महत्व भी है। बाल्डी नदी और यहां की गुफाएं एक रोमांचक दृश्य उत्पन्न करती हैं। बस स्टेंड से 14 कि.मी. की दूर, यहां नियमित बस सेवा और टैक्सियों द्वारा पहुंचा जा सकता है। यह पिकनिक के लिए एक अच्छा स्थान है।

कलंगा स्मारक-देहरादून-सहस्त्रधारा मार्ग पर स्थित यह स्मारक ब्रिटिशों और गोरखाओं के बीच 180 वर्ष पहले हुए युद्ध में बहादुरी की गाथाएं याद दिलाता है। रिसपाना नदी के किनारे पहाड़ी पर 1000 फुट की ऊंचाई पर बना यह स्मारक गढ़वाली शासकों के इतिहास को दर्शाता है।

लक्ष्मण सिद्ध-ऋषिकेश की ओर देहरादून से 12 कि.मी. दूर यह एक प्रसिद्ध मंदिर है। किवदंती है कि एक साधु ने यहां समाधि ली थी। मंदिर तक सुलभता से पहुंच होने के कारण विशेषकर रविवार को यहां बड़ी संख्या में दर्शनार्थी आते हैं।

चन्द्रबदनी- देहरादून-दिल्ली मार्ग पर देहरादून से 7 कि.मी. दूर यह मंदिर चन्द्रबदनी(गौतम कुंड) के लिए प्रसिद्ध है। पौराणिक कथाओं के अनुसार इस स्थान पर महर्षि गौतम अपनी पत्नी और पुत्री अंजनी के साथ निवास करते थे. इस कारण मंदिर में इनकी पूजा की जाती है। ऐसा कहा जाता है कि स्वर्ग-पुत्री गंगा इसी स्थान पर अवतरित हुई, जो अब गौतम कुंड के नाम से प्रसिद्ध है। प्रत्येक वर्ष श्रद्धालु इस पवित्र कुंड में डुबकी लगाते हैं। मुख्य सड़क से 2 कि.मी. दूर, चारों ओर से शिवालिक पहाड़ियों के मध्य में यह एक सुंदर पर्यटन स्थल है।

साई दरबार-राजपुर रोड पर शहर से 8 कि.मी. की दूरी पर घंटाघर के समीप सांई दरबार मंदिर है। इसका बहुत अधिक सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व है तथा देश-विदेश से दर्शनार्थी यहं आते हैं। सांई दरबार के समीप राजपुर रोड पर ही भगवान बुद्ध का बहुत विशाल और भव्य तिब्बती मंदिर है।

रॉबर्स केव (गुच्छुपानी)- पिकनिक के लिए एक आदर्श स्थान रॉबर्स केव सिटी बस स्टेंड से केवल 8 कि.मी. दूर है। हरिद्वार-ऋषिकेश मार्ग पर लच्छीवाला-डोईवाला से 3 कि.मी. और देहरादून से 22 कि.मी. दूर है। सुंदर दृश्यावली वाला यह स्थान पिकनिक-स्पॉट है। यहां हरे-भरे स्थान पर फॉरेस्ट रेस्ट हाउस में पर्यटकों के लिए ठहरने की व्यवस्था है।

वन अनुसंधान संस्थान- घंटा से 7 कि.मी. दूर देहरादून-चकराता मोटर-योग्य मार्ग पर स्थित यह संस्थान भारत में सबसे बड़ा फॉरेस्ट-बेस प्रशिक्षण संस्थान है। जो तथा इसमें एक बॉटनिकल म्यूजियम भी है। एफआरआई (देहरादून) से 3 कि.मी. आगे देहरादून-तकराता मार्ग पर 8 कि.मी. की दूरी पर स्थित इंडियन मिलिटरी एकेडमी सेना अधिकारियों के प्रशिक्षण का एक प्रमुख संस्थान है।

तपोवन- देहरादून-राजपुर रोड पर सिटी बस स्टेंड से लगभग 5 कि.मी. दूर स्थित यह स्थान सुंदर दृश्यों से घिरा है। कहावत है कि गुरु द्रोणाचार्य ने इस क्षेत्र में तपस्या की थी।

संतौला देवी मंदिर- देहरादून से लगभग 15 कि.मी. दूर स्थित प्रसिद्ध संतौला देवी मंदिर पहुंचने के लिए बस द्वारा जैतांवाला तक जाकर वहां से पंजाबीवाला तक 2 कि.मी. जीप या किसी हल्के वाहन द्वारा तथा पंजाबीवाला के बाद 2 कि.मी. तक पैदल रास्ते से मंदिर पहुंचा जा सकता है।

देहरादून और कुछ महत्वपूर्ण स्थानों के बीच की दूरी

दिल्ली - 240 किमी
यमुनोत्री - 279 किमी
मसूरी - 35 किमी
नैनीताल - 297 किमी
हरिद्वार - 54 किमी
शिमला - 221 किमी
ऋषिकेश - 67 किमी
आगरा - 382 किमी
रुड़की - 43 किमी

रेल: देहरादून उत्तरी रेलवे का एक प्रमुख रेलवे स्टेशन है। यह भारत के लगभग सभी बड़े शहरों से सीधी ट्रेनों से जुड़ा हुआ है। ऐसी कुछ प्रमुख ट्रेनें हैं- हावड़ा-देहरादून एक्सप्रेस, चेन्नई- देहरादून एक्सप्रेस, दिल्ली- देहरादून एक्सप्रेस, बांद्रा-देहरादून एक्सप्रेस, इंदौर- देहरादून एक्सप्रेस आदि।

वायु मार्ग: जॉली ग्रांट एयरपोर्ट देहरादून से 25 से किलोमीटर है। यह दिल्ली एयरपोर्ट से अच्छी तरह से जुड़े हुए हैं। एयर डेक्कन दोनों एयरपोर्टों के बीच प्रतिदिन वायु सेवा संचालित करती है।

जलवायु : देहरादून की जलवायु समशीतोष्ण है। यहां का तापमान 16 से 36 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है जहां शीत का तापमान 2 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। देहरादून में औसतन 2073.3 मिलिमीटर वर्षा होती है। अधिकांश वर्षा जून और सितंबर के बीच होती है। अगस्त में सबसे अधिक वर्षा होती है।

नगर के विषय में:राजपुर मार्ग पर या डालनवाला के पुराने आवासीय क्षेत्र में पूर्वी यमुना नहर सड़क से देहरादून शुरु हो जाता है। सड़क के दोनों किनारे स्थित चौड़े बरामदे और सुन्दर ढालदार छतों वाले छोटे बंगले इस शहर की पहचान हैं। इन बंगलों के फलों से लदे हुए पेड़ों वाले बगीचे बरबस ध्यान आकर्षित करते हैं। घण्टाघर से आगे तक फैलाहुआ रंगीन पलटन बाजार यहाँ का सर्वाधिक पुराना और व्यस्त बाजार है। यह बाजार तब अस्तित्व में आया जब 1820 में ब्रिटिश सेना की टुकड़ी को आने की आवश्यकता पड़ी। आज इस बाजार में फल, सब्जियां, सभी प्रकार के कपड़े, तैयार वस्त्र (रेडीमेड गारमेंट्स) जूते और घर में प्रतिदिन काम आने वाली वस्तुयें मिलती हैं। इसके स्टोर माल, राजपुर सड़क तक है जिसके दोनों ओर विश्व के लोकप्रिय उत्पादों के शो रूम हैं। अनेक प्रसिद्ध रेस्तरां भी राजपुर सड़क पर है। कुछ छोटी आवासीय बस्तियाँ जैसे राजपुर, क्लेमेंट टाउन, प्रेमनगर और रायपुर इस शहर के पारंपरिक गौरव हैं।

देहरादून के राजपुर मार्ग पर भारत सरकार की दृष्टिबाधितों के लिए स्थापित पहली और एकमात्र राष्टीय स्तर की संस्था राष्टीय दृष्टिबाधित संस्थान (एन.आई.वी.एच.) स्थित है। इसकी स्थापनी 19वीं सदी के नब्बे के दशक में विकलांगों के लिए स्थापित चार संस्थाओं की श्रंखला में हुआ जिसमें राष्टीय दृष्टिबाधित संस्था के लिए देहरादून का चयन किया गया। यहाँ दृष्टिबाधित बच्चों के लिए स्कूल, कॉलेज, छात्रावास, ब्रेल पुस्तास्तलय एवं ध्वन्यांकित पुस्तकों का पुस्तकालय भी स्थापित किया गया है। इसके कर्मचारी इसके अन्दर रहते हैं इसके अतिरिक्त (तेज यादगार) शार्प मेमोरियल नामक निजी संस्था राजपुर में हैं यें दृष्टि अपंगता तथा कानों सम्बन्धि बजाज संस्थान तथा राजपुर सड़क पर दूसरी अन्य संस्थाये बहुत अच्छा कार्य कर रही है। उत्तराखण्ड सरकार का एक और नया केन्द्र है। करूणा विहार, बसन्त विहार में कुछ कार्य शुरू किये है। तथा गहनता से बच्चों के लिये कार्य कर रहें है तथा कुछ नगर के चारों ओर केन्द्र है। देहरादून राफील रेडरचेशायर अंतरराष्ट्रीय केन्द्र है। रिस्पना ब्रिज शायर गृह डालनवाला में हैं। जो मानसिक चुनौतियों के लिए कार्य करते है। मानसिक चुनौतियों के लिए काम करने के अतिरिक्त राफील रेडरचेशायर अंतरराष्ट्रीय केन्द्र ने टी.बी व अधरंग के इलाज के लिये भी अस्पताल बनाया। अधिकाँश संस्थायें भारत और विदेश से स्वेच्छा से आने वालो को आकर्षित तथा प्रोत्साहित करती है। आवश्यकता विहीन का कहना है कि स्वेच्छा से काम करने वाले इन संस्थाओं को ठीक प्रकार से चलाते है। तथा अयोग्य, मानसिक चुनौतियो और कम योग्य वाले लोगो को व्यक्तिगत रूप से चेतना देते है।

देहरादून अपनी पहाड़ियों और ढलानों के साथ-साथ साईकिलिंग का भी एक महत्वपूर्ण स्थान है। चारों ओर पर्वतों और हरियाली से घिरा होने के कारण यहाँ साईकिलिंग करना बहुत सुखद है। लीची देहरादून का पर्यायवाची है क्योंकि यह स्वादिष्ट फल चुनिंदा जलवायु में ही उगता है। देहरादून देश की उन जगहों में से एक है जहाँ लीची उगती है। लीची के अतिरिक्त देहरादून के चारों ओर बेर, नाशपत्ती, अमरूद और आम के पेड़ है। जो नगर की बनावट को घेरे हुये है। ये सारी चीजें घाटी के आकर्षण में वृद्धि करती है। यदि मई माह या जून के शुरू की गर्मियों में भ्रमण के लिये जाएं तो तुम इन फलों को केवल देखेंगे ही नहीं बल्कि खरीदेंगे भी। बासमती चावल की लोकप्रियता देहरादून या भारत में ही नही बल्कि विदेशों में भी है। एक समय अंग्रेज भी देहरादून में रहते थे और वे नगर पर अपना प्रभाव छोड़ गये। उदाहरण के रूप में देहरादून की बैकरीज (बिस्कुट आदि) आज भी यहाँ प्रसिद्ध है। उस समय के अंग्रेजों ने यहाँ के स्थानीय स्टाफ को सेंकना सिखाया। यह निपुणता बहुत अच्छी सिद्ध हुई तथा यह निपुणता अगली संतति सन्तान में भी आयी। फिर भी देहरादून के रहने वालो के लिये यहाँ के स्थानीय रस्क, केक, होट क्रोस बन्स, पेस्टिज और कुकीज मित्रों के लिये सामान्य उपहार है, कोई भी ऐसी नही बनाता जैसे देहरादून में बनती है। दूसरा उपहार जो पर्यटक यहाँ से ले जाते है विख्यात क्वालिटी की टॉफी जोकि क्वालिटी रेस्टोरेन्ट (गुणवत्ता वाली दुकानों) से मिलती हैं। यद्यपि आज बडी संख्या में दूसरी दुकानों (स्टोर) से भी ये टॉफी मिलती है परन्तु असली टॉफी आज भी सर्वोतम है। देहरादून में आनंद के और बहुत से पर्याप्त विकल्प है।

सड़क मार्ग

देहरादून देश के विभिन्न हिस्सों से सड़क मार्ग से जुड़ा हुआ है और यहां पर किसी भी जगह से बस या टेक्सी से आसानी से पहुंचा जा सकता है। सभी तरह की बसें, (साधारण और लक्जरी) गांधी बस स्टेंड जो दिल्ली बस स्टेंड के नाम से जाना जाता है, यहां से खुलती हैं। यहां पर दो बस स्टैंड हैं। देहरादून और दिल्ली, शिमला और मसूरी के बीच डिलक्स/ सेमी डिलक्स बस सेवा उपलब्ध है। ये बसें क्लेमेंट टाउन के नजदीक स्थित अंतरराज्यीय बस टर्मिनस से चलती हैं। दिल्ली के गांधी रोड बस स्टैंड से एसी डिलक्स बसें (वोल्वो) भी चलती हैं। यह सेवा हाल में ही यूएएसआरटीसी द्वारा शुरू की गई है। आईएसबीटी, देहरादून से मसूरी के लिए हर 15 से 70 मिनट के अंतराल पर बसें चलती हैं। इस सेवा का संचालन यूएएसआरटीसी द्वारा किया जाता है। देहरादून और उसके पड़ोसी केंद्रों के बीच भी नियमित रूप से बस सेवा उपलब्ध है।

यूक्रेन संकट के बीच रूस ने अपनी कुछ सैन्य टुकड़ियों को पीछे हटाने की घोषणा की

मास्को।

रूस ने मंगलवार को कहा कि सैन्य अभ्यास में हिस्सा ले रहीं कुछ सैन्य टुकड़ियां अपने सैन्य अड्डे के लिए लौटने लगी हैं। हालांकि, रूस ने वापसी का ब्योरा नहीं दिया है। इससे यह उम्मीद जगी है कि शायद रूस की योजना यूक्रेन पर हमला करने की न हो। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि रूसी रक्षा मंत्रालय ने जिन सैन्य टुकड़ियों के लौटने की बात कही है, वे कहां से लौट रही हैं और उनकी संख्या कितनी है। यह ऐलान रूसी विदेश मंत्री के उस बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने संकेत दिए थे कि उनका देश उन सुरक्षा संबंधी समस्याओं पर बातचीत जारी रखने के लिए राजी है, जिसने यूक्रेन संकट को जन्म दिया। तनाव पैदा होने के हफ्तों बाद रूस के रुख में यह परिवर्तन दिखा। हालांकि, अब भी पश्चिमी देशों के अधिकारी यह चेतावनी देना जारी रखे हुए हैं कि रूस किसी भी क्षण यूक्रेन पर हमला कर सकता है और वह सैन्य साजो सामान सीमा की ओर ले जा रहा है। कुछ तो बुधवार को संभावित हमले का दिन बता रहे हैं। इस बीच, ब्रसेल्स में नाटो के महासचिव जेन्स स्टोल्टेनबर्ग ने कहा, ''अभी तक हमने जमीन पर कोई तनाव नहीं देखा है, ना ही हमें यूक्रेन की सीमा पर रूसी सैनिकों की उपस्थिति में कोई कमी दिखी है। इस ऐलान के बाद विश्व बाजार समेत रूसी मुद्रा रूबल के भाव में उछाल देखने को मिला है। हालांकि, यूक्रेन के नेता रूस की इस घोषणा पर संदेह जता रहे हैं। यक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने कहा, ''रूस लगातार कई तरह के बयान दे रहा है। यही वजह है कि हमने नियम बनाया है कि हम सुनी हुई बातों पर विश्वास नहीं करेंगे। हम देखने के बाद विश्वास करेंगे। यूक्रेन की सीमा पर रूस ने 1,30,000 से अधिक सैनिक तैनात कर दिए हैं, जिसने हमले की आशंका को जन्म दिया। लेकिन यूक्रेन के पूर्व, उत्तर और दक्षिण में बड़ी संख्या में सैनिक तैनात करके वह पास में ही बड़ा युद्धाभ्यास भी करता रहा है।

तालिबान को मान्यता देने के लिए देशों को संयुक्त प्रयास करना होगा: इमरान खान

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार अफगानिस्तान में तालिबान शासन को एकतरफा मान्यता नहीं देगी क्योंकि इस कदम से वह अलग थलग पड़ जाएगा और देश में आर्थिक सुधार के प्रयासों को धक्का लगेगा। खान ने जोर दिया कि इसको मान्यता देने के लिए इस क्षेत्र के देशों को संयुक्त प्रयास करना होगा। पिछले साल अगस्त में काबुल की सत्ता पर नियंत्रण हासिल करने के बाद से तालिबान अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपने इस्लामी अमीरात को अफगानिस्तान की आधिकारिक सरकार के तौर पर मान्यता देने का आग्रह कर रहा है। वहीं, अमेरिका और अन्य देश तालिबान पर अफगानिस्तान में महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों को उसके एजेंडे में प्राथमिकता देने को लेकर दबाव डाल रहे हैं। खान के रूसी मीडिया को दिए एक साक्षात्कार के हवाले से एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने कहा, अगर पाकिस्तान (तालिबान को) मान्यता देने की पहल करता है तो हम पर अंतरराष्ट्रीय दबाव काफी बढ़ जाएगा क्योंकि हम अपनी अर्थव्यवस्था में सुधार के प्रयास कर रहे हैं। खान के हवाले से अखबार ने अपनी रिपोर्ट में कहा, हम अपना कर्ज नहीं चुका सकते । हम केवल तभी उबर सकते हैं, जब अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ हमारे अच्छे संबंध हों। तालिबान को मान्यता देकर अलग-थलग (मान्यता देने वाला अकेला देश बनने की स्थिति में) पड़ना आखिरी चीज होगी जो हम चाहेंगे। खान ने कहा है कि इस मसले पर इस क्षेत्र के देशों को संयुक्त प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि इस तरह की मान्यता के लिए शर्तों के संबंध में अंतरराष्ट्रीय सहमति है कि अफगानिस्तान में एक समावेशी सरकार होनी चाहिए। मानवाधिकार और महिला अधिकारों का मुद्दा भी है।

रिपोर्ट में खान के हवाले से कहा गया, तालिबान सरकार ने इन दो मुद्दों पर वादा किया है। सवाल यही है कि दुनिया को संतुष्ट करने के लिए और क्या आवश्यक है?।

अमेरिका ने वित्तीय समाचार वेबसाइट पर रूस के समर्थन में दुष्प्रचार का आरोप लगाया

वाशिंगटन।

अमेरिका के गुप्तचर अधिकारियों ने मंगलवार को एक वित्तीय समाचार वेबसाइट पर रूस के समर्थन में दुष्प्रचार करने का आरोप लगाया। साथ ही उन्होंने पांच मीडिया संस्थानों पर रूसी जासूसों के इशारे पर यूक्रेन के लोगों को निशाना बनाने का भी आरोप लगाया है। अधिकारियों ने नाम सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर कहा कि ट्विटर पर 12 लाख फॉलोवर वाली समाचार वेबसाइट जीरो हेज ने रूस के नियंत्रण वाली मीडिया द्वारा तैयार लेख प्रकाशित किये, जिन्हें रूसी गुप्तचर गतिविधियों से अंजान लोगों और संस्थानों ने साझा किया। अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि क्या उन्हें लगता है कि जीरो हेज को जासूसी एजेंसियों के जुड़ाव की जानकारी थी। उन्होने वेबसाइट और रूस के बीच सीधे संबंधों को लेकर आरोप भी नहीं लगाया। जीरो हेज ने ईमेल के जरिये बयान जारी कर आरोपों को खारिज किया और कहा कि उसने दोनों पक्षों के विचारों को समाहित करते हुए लेख प्रकाशित करने की कोशिश की थी। यह वेबसाइट बाजार और वित्त संबंधी समाचारों के मामले में सबसे बेहतरीन संस्थानों में शुमार है। वेबसाइट पर राजनीति से संबंधित समाचारों को भी कवर किया जाता है। हालिया कुछ महीनों में जीरो हेज ने कई लेख प्रकाशित किये हैं, जिनमें अमेरिका पर यूक्रेन मामले को लेकर बेवजह तनाव उत्पन्न करने का आरोप लगाया गया है। अमेरिका का कहना है कि रूस यूक्रेन पर आक्रमण कर सकता है जबकि रूस अमेरिका के इस दावे को खारिज करता रहा है। इसके अलावा अमेरिकी खुफिया अधिकारियों ने पांच वेबसाइट पर रूस की संघीय सुरक्षा सेवा एफएसबी के साथ संबंध रखने का भी आरोप लगाया।

उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली पूर्व मॉडल से कोर्ट के बाहर सेटलमेंट, 1.22 अरब रुपए देंगी क्वीन

वाशिंगटन। ब्रिटेन के शाही परिवार ने प्रिंस एंड्रयू पर लगे सेक्शुअल एब्यूज (यौन उत्पीड़न) के आरोप में अपमान से बचने के लिए पीड़िता से आउट ऑफ कोर्ट सेटलमेंट कर लिया है। डेलीमेल की रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटिश क्वीन एलिजाबेथ-द्वितीय अपने बेटे प्रिंस एंड्रयू को सजा से बचाने के लिए आरोप लगाने वालीं पूर्व मॉडल वर्जिनिया गिफ्रे को 1.22 अरब रुपए की मोटी रकम देंगी। इस समझौते के लिए कोर्ट ने पहले ही सहमति दे दे थी। 62 साल के प्रिंस एंड्रयू ब्रिटिश ताज की कतार में 9वें नंबर के दावेदार हैं। वह क्वीन एलिजाबेथ के तीन बेटों में से दूसरे नंबर पर हैं। उनसे बड़े प्रिंस चार्ल्स और उनसे छोटे प्रिंस एडवर्ड हैं। अमेरिकी नागरिक गिफ्रे से जुड़े मामले में अदालत के बाहर समझौता करने का मतलब है कि आरोपी प्रिंस एंड्रयू ने उनके दावों पर अपना अपराध स्वीकार नहीं किया है। गिफ्रे ने प्रिंस पर आरोप लगाया था कि प्रिंस ने 17 साल की उम्र में तीन मौकों पर उसका यौन उत्पीड़न किया था। वहीं, प्रिंस एंड्रयू लगातार इन आरोपों को झूठ बता रहे थे। गिफ्रे ने दावा किया था कि उनके पास प्रिंस के झूठ उजागर करने वाले कई फोटोज मौजूद हैं। इस पोस्टर में समझिए क्या है पूरा मामला। अमाउंट सीक्रेट रहेगा, फिर भी लीक हुई रकम न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, 61 साल के ब्रिटिश प्रिंस जो अमाउंट वर्जिनिया गिफ्रे को देंगे, उसे कोर्ट ने सीक्रेट रखने को कहा है। कोर्ट के सामने दोनों पक्षों ने इस बारे में हलफनामे भी दिए हैं।

इसके अलावा गिफ्रे को चैरिटी के लिए भी कुछ अमाउंट देने का फैसला किया गया है। अगर यह सेटलमेंट होता है तो जाहिर तौर पर यह शाही परिवार के लिए बड़ी राहत होगी। अगर यह सेटलमेंट नहीं होता तो कुछ ही हफ्तों में प्रिंस को कोर्ट में शपथ लेकर गिफ्रे के वकीलों के सवालों का जवाब देना होगा। हालांकि शाही परिवार के एक करीबी सूत्र ने सेटलमेंट की रकम की जानकारी लीक कर दी है।

संक्षिप्त समाचार

न गोली चलाई और न भेजे सैनिक, फिर भी रूस ने यूक्रेन में मचा दिया हाहाकार

इंटरनेशनल डेस्क। रूस के आक्रमण के खतरे के बीच यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय, प्रमुख बैंकों और सेना पर श्रृंखलाबद्ध तरीके से मंगलवार को साइबर हमला किया गया। इस हमले की आड़ में और गंभीर साइबर हमला होने के संकेत अभी तक नहीं मिले हैं। तकनीकी भाषा में इसे 'डिस्ट्रिब्यूटेड डिनायल ऑफ सर्विस (डीडीओएस) हमला बताया जा रहा है, जिसका अर्थ है कि किसी सर्वर को लक्षित कर उस पर इंटरनेट डेटा की बाढ़ कर देना, ताकि सामान्य तौर पर आने वाला डेटा बाधित हो जाए। इस हमले के कारण यूक्रेन की कम से कम 10 वेबसाइट बंद हो गईं, जिनमें रक्षा, विदेश और संस्कृति मंत्रालय की वेबसाइट शामिल थीं। इसके अलावा दो सबसे बड़े सरकारी बैंकों की वेबसाइट भी प्रभावित हुई। इस प्रकार के हमलों में वेबसाइट पर भारी मात्रा में 'जंक डेटा भेजा जाता है जिससे वेबसाइट नहीं खुलती। यूक्रेन के वरिष्ठ साइबर रक्षा अधिकारी विक्टर झोरा ने कहा कि इस डीडीओएस हमले से किसी अन्य प्रकार की क्षति होने की सूचना नहीं है। उन्होंने कहा कि आपदा प्रतिक्रिया दल हमलावरों का संपर्क काटने और सेवाएं बहाल करने में जुटी हैं। नेटवर्क प्रबंधन कंपनी 'केन्टिक इंक में इंटरनेट विश्लेषण के निदेशक डग मडोरी ने कहा कि हमलावरों के निशाने पर यूक्रेन की सेना और बैंक थे। यूक्रेन के सूचना मंत्रालय के रणनीतिक संचार और सूचना सुरक्षा केंद्र की ओर से जारी बयान में कहा गया कि निवेशकों के धन को कोई खतरा नहीं है। झोरा ने कहा कि इस हमले से यूक्रेन की सेनाओं की संचार व्यवस्था प्रभावित नहीं हुई। उन्होंने कहा कि हमले के पीछे कौन है, इस पर अभी कुछ नहीं कहा जा सकता। मंत्रालय के बयान में कहा गया कि इसमें रूस का हाथ हो सकता है।

अमेरिका: विमान हादसे में जान गंवाने वालों में 4 किशोर समेत 8 लोग शामिल

ब्यूफोर्ट। अमेरिका में नॉर्थ कैरोलीना के तट के पास रविवार को दुर्घटनाग्रस्त हुए एक छोटे विमान में सवार चार किशोर समेत आठ लोगों की इस हादसे में मौत हो गई। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। कार्टेरेट काउंटी के शेरिफ की ओर से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक, हादसे में जान गंवाने वाला पायलट और अन्य सभी यात्री नॉर्थ कैरोलीना के निवासी थे। इसके मुताबिक, मृतकों की उम्र 15 से 67 वर्ष के बीच थी।

अमेरिका के नार्थ कैरोलाइना के पास विमान दुर्घटनाग्रस्त, एक शव बरामद

न्यूयार्क। अमेरिका में 8 लोगों को ले जा रहा एक विमान नार्थ कैरोलाइना के आउटर बैंक्स के पास दुर्घटनाग्रस्त होकर समुद्र में गिर गया। तटरक्षरक बल ने यह जानकारी दी। कार्टेरेट काउंटी के शेरिफ आसा बक ने सोमवार दोपहर को संवाददाताओं को बताया कि अब तक विमान के मलबे में एक यात्री का शव बरामद हुआ है और उसकी पहचान कर ली गई है। उन्होंने मृतक और विमान में सवार अन्य यात्रियों का विवरण देने से इनकार कर दिया। शेरिफ ने कहा, हमें विमान दुर्घटना में किसी के जीवित बचने का संकेत नहीं मिला है। बक ने कहा कि बचावकर्मी अब भी विमान के मुख्य हिस्से की तलाश कर रहे हैं और अब तक तीन स्थानों पर मलबा मिला है। अमेरिकी तटरक्षक के कैप्टन मैथ्यू जे. बेयर ने संवाददाताओं से कहा कि विभिन्न एजेंसियों के पोत तलाश अभियान में शामिल हैं।

दक्षिणी फ्रांस में धमाके के बाद लगी आग, 2 बच्चों समेत 7 लोगों की मौत

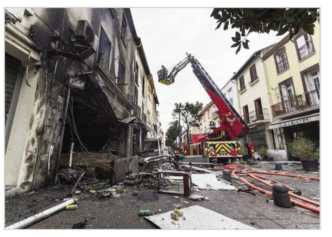

पेरिस। दक्षिणी फ्रांस के एक अपार्टमेंट में सोमवार को हुए धमाके और उसके बाद लगी आग में दो बच्चों सहित कम से कम सात लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि घटना के बाद से लापता कम से कम दो लोगों की तलाश की जा रही है। फ्रांस के आंतरिक मंत्री गेराल्ड डार्मिनिन घटना के बाद सेंट-लॉरेंट-दे-ला-सलैनक्यू शहर स्थित घटनास्थल गए। उन्होंने कहा कि देर रात करीब दो बजे हुए धमाके में कम से कम 30 लोग घायल या मानसिक आघात के शिकार हुए हैं। स्थानीय रेडियो चैनल ब्लू रूसिलॉन ने खबर दी कि धमाका दो मंजिला इमारत के भूतल पर हुआ जहां पर किराना और सैंडविच बार स्थित था। इसके बाद लगी आग पड़ोस की इमारतों में भी फैल गई। परपिग्नैन के अभियोजक जीन डेविड कैविली ने कहा कि अभी धमाके की वजह के बारे में कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन दुकान में मौजूद गैस सिलेंडर में धमाके की आशंका है। लेकिन दुकान में मौजूद गैस सिलेंडर में धमाके की आशंका है। कैविली ने कहा कि जांच जारी है।

यूक्रेन मसले पर ब्लिंकन ने रूसी विदेश मंत्री से फिर की बात

वाशिंगटन। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने मंगलवार को कहा कि अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव के समक्ष यूक्रेन के मुद्दे पर बात की है। उन्होंने यूक्रेन पर रूस द्वारा किये जाने वाले संभावित हमले को लेकर अमेरिका की चिंता से उन्हें रूबरू कराया और इस तनाव के एक राजनयिक समाधान का जिक्र किया। प्राइस ने कहा,'' ब्लिंकन ने यूक्रेन और रूस के बीच संघर्ष के राजनयिक समाधान को जारी रखने के लिए अमेरिका की प्रतिबद्धता को दोहराया।' अमेरिका को पता है कि रूस यूक्रेन पर किसी भी समय आक्रमण करने की क्षमता रखता है और अमेरिका को इसी की चिंता है जिसका जिक्र ब्लिंकन ने लावरोव के सामने किया और इस संघर्ष को रोकने के उपाय पर बल दिया।

स्टेम सेल ट्रांसप्लांट के बाद महिला ने एचआईवी को हराया

इंटरनेशनल डेस्क।

न्यूयॉर्क-प्रेस्बिटेरियन/वेइल कॉर्नेल मेडिकल सेंटर के वैज्ञानिकों का कहना है कि एक महिला गर्भनाल रक्त में स्टेम सेल का उपयोग करके एचआईवी से ठीक हो गई है। ऐसा लगता है कि वह चौथी व्यक्ति और पहली महिला है जो स्पष्ट रूप से बीमारी से ठीक हो गई है। रोगी ने एचआईवी संक्रमण का कोई लक्षण नहीं दिखाया है क्योंकि उसने अक्टूबर 2020 में वायरस के लिए इलाज बंद कर दिया था। गर्भनाल स्टेम कोशिकाओं के प्रत्यारोपण के बाद जिसमें एक उत्परिवर्तन होता है जो एचआईवी को रोकता है साथ ही साथ एक वयस्क रिश्तेदार से स्टेम सेल का प्रत्यारोपण भी करता है। स्टेम सेल उपचार अत्यधिक जोखिम भरा है जिसमें डॉक्टरों को कीमोथेरेपी या विकिरण का उपयोग करके रोगी की प्रतिरक्षा प्रणाली को नष्ट करने और नई कोशिकाओं के साथ इसे फिर से बनाने की आवश्यकता होती है जिससे यह चिकित्सा किसी ऐसे व्यक्ति के लिए अनुपयुक्त हो जाती है जिसे कैंसर या कोई अन्य संभावित घातक स्थिति नहीं है। एचआईवी से संक्रमण माना जाता है कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं में अलग-अलग प्रगति होती है। लेकिन दुनिया में एचआईवी के आधे से अधिक मामलों में महिलाओं की हिस्सेदारी है।लेकिन डॉ. डीक्स ने कहा कि उन्होंने यह नहीं देखा कि नया तरीका आम होता जा रहा है। शक्तिशाली एंटीरेट्रोवाइरल दवाएं एचआईवी को नियंत्रित कर सकती हैं लेकिन दशकों पुरानी महामारी को समाप्त करने के लिए एक इलाज महत्वपूर्ण है।दुनिया भर में लगभग 38 मिलियन लोग एचआईवी के साथ जी रहे हैं और उनमें से लगभग 73 प्रतिशत लोग उपचार प्राप्त कर रहे हैं।

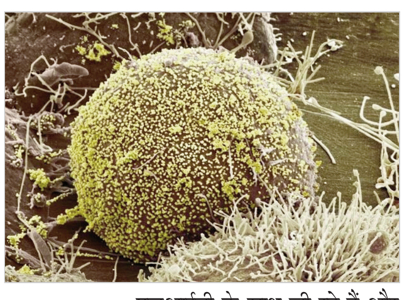

दुनिया भर में लगभग 38 मिलियन लोग एचआईवी के साथ जी रहे हैं और उनमें से लगभग 73 प्रतिशत लोग उपचार प्राप्त कर रहे हैं।

जयशंकर की फिलीपीन यात्रा : आर्थिक सहयोग बढ़ाने, निवेश संबंधों को मजबूत बनाने पर सहमति

नयी दिल्ली।

भारत और फिलीपीन ने दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग को और बढ़ाने के लिये प्रयास करने तथा कृषि, आधारभूत ढांचा, स्वास्थ्य एवं औषधि, पर्यटन, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में निवेश संबंधों को मजबूत बनाने पर सहमति व्यक्त की है। विदेश मंत्री एस जयशंकर की तीन दिवसीय फिलीपीन यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों के विविध आयामों की समीक्षा की गई । मंत्रालय के बयान के अनुसार, जयशंकर 13 से 15 फरवरी तक फिलीपीन के दौरे पर हैं । विदेश मंत्री के रूप में जयशंकर की यह पहली फिलीपीन यात्रा है। बयान के अनुसार, विदेश मंत्री जयशंकर ने अपनी यात्रा के दौरान फिलीपीन के अपने समकक्ष टी एल लोक्सिन जूनियर के साथ बैठक की । दोनों मंत्रियों ने नवंबर 2020 में डिजिटल माध्यम से हुई द्विपक्षीय सहयोग पर संयुक्त आयोग की बैठक के बाद के दोनों देशों के संबंधों से जुड़े घटनाक्रम की समीक्षा की । विदेश मंत्रालय ने बताया कि दोनों मंत्रियों ने द्विपक्षीय संबंधों के हाल की स्थिति पर संतोष व्यक्त किया तथा देशों के बीच आर्थिक सहयोग को और बढ़ाने के लिये प्रयास करने तथा कृषि, आधारभूत ढांचा, स्वास्थ्य एवं औषधि, पर्यटन, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में निवेश संबंधों को मजबूत बनाने पर सहमति व्यक्त की है। बयान के अनुसार, दोनों मंत्रियों ने आतंकवाद से मुकाबला करने, रक्षा एवं नौवहन क्षेत्र में सहयोग को मजबूत बनाने की दिशा में काम करने पर सहमति व्यक्त की । दोनों पक्षों ने सैन्य प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण सहित रक्षा क्षमता के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ट्वीट किया, '' अपनी रवानगी से पहले फिलीपीन में भारतीय समुदाय से मुलाकात करके हर्षित हूं। ये हमारे समाज के बीच प्रभावी सेतु हैं। इनकी उपलब्धियों ने भारत की छवि बनाने में मदद की है। इनके योगदान के लिये धन्यवाद । '' जयशंकर की फिलीपीन यात्रा के बारे में विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में बताया कि दोनों देशों के विदेश मंत्रियों ने विविध क्षेत्रों में भारत एवं फिलीपीन के बीच सहयोग को लेकर भविष्य की राह के बारे में भी चर्चा की । दोनों पक्षों ने साझा हितों से जुड़े क्षेत्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी विचारों का आदान प्रदान किया । बयान के अनुसार, दोनों मंत्रियों ने समुद्री अर्थव्यवस्था, नवीकरणीय ऊर्जा, अंतरिक्ष, साइबर सुरक्षा, पारंपरिक औषधि जैसे उभरते क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिये हाल के समय में उठाये गए कदमों पर संतोष व्यक्त किया । विदेश मंत्रालय के अनुसार, कारोबार, पर्यटन एवं दोनों देशों के बीच छात्रों के आदान-प्रदान बढ़ाने के लिये दोनों पक्षों ने वीजा संबंधी व्यवस्था को सरल बनाने की जरूरत पर विदेश मंत्री जयशंकर ने भारतीय मेडिकल छात्रों की जल्द फिलीपीन वापसी को सुगम बनाने के विषय पर वहां की सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया ।

टीवी होस्ट को प्रताड़ित करने के आरोप में पाकिस्तान खुफिया विभाग के पांच अधिकारी निलंबित

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के खुफिया ब्यूरो में कथित भ्रष्टाचार का पर्दाफाश करने का प्रयास करने वाले टीवी के एक लोकप्रिय होस्ट व पत्रकार तथा उनके क्रू के सदस्यों को प्रताड़ित करने के आरोप में ब्यूरो ने अपने पांच अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। मीडिया में मंगलवार को आयी रिपोर्ट के अनुसार, पत्रकार ने इन अधिकारियों पर उन्हें और उनके क्रू के सदस्यों को प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। 'एआरवाई समाचार चैनल पर प्रसारित होने वाले इंवेस्टिगेटिव क्राइम शो 'सर-ए-आम (सरेआम) के होस्ट सैयद इकरारुल हसन (37) अपने शो के लिए समाज के विभिन्न तबकों में भ्रष्टाचार का पर्दाफाश करने के लिए स्टिंग ऑपरेशन करते हैं। हसन ने बताया कि आईबी का एक अधिकारी एजेंसी के गेट पर रिश्वत ले रहा था, ''हमने उच्चाधिकारियों से उसकी शिकायत करने का प्रयास किया, लेकिन आईबी अधिकारी रिजवान शाह ने हमारी टीम के साथ हाथापाई की और हमारी पिटाई करते रहे। हसन ने दावा किया, ''मेरे सिर पर 8-10 टांके लगे हैं और प्रताड़ना के कारण मेरा कंधा उतर गया है। हसन को प्रताड़ित किए जाने का यह पूरा मामला उस वक्त सामने आया जब चोटें लगी हुई और फटे कपड़ों में तथा इलाज कराते हुए उनकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुईं। डॉन अखबार के अनुसार, आईबी के उपमहानिदेशक इफ्तिखार नबी तुनियो ने बताया कि ''एआरवाई न्यूज टीम को प्रताड़ित करने और स्थिति खबर के अनुसार, सैयद मोहिनुद्दीन रिजवान (निदेशक, बीपीएस-19), महमूब अली और इनाम अली (दोनों स्टेनो टाइपिस्ट), रजब अली (उपनिरीक्षक) और खावर को निलंबित किया गया है।

यूक्रेन पर रूस के हमले की आशंका अब भी बनी हुई है, बाइडन बोले- 'निर्णायक जवाब देने के लिए अमेरिका तैयार

वाशिंगटन।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि यूक्रेन पर रूस के आक्रमण की आशंका अब भी बनी हुई है और अमेरिका हमले का ''निर्णायक जवाब देने के लिए तैयार है। उन्होंने मॉस्को से युद्ध न छेड़ने का अनुरोध किया। बाइडन ने मंगलवार को कहा कि जो भी होता है, अमेरिका उसके लिए तैयार है। उन्होंने कहा, ''हम यूरोप में स्थिरता और सुरक्षा में सुधार लाने के लिए रूस तथा अपने सहयोगियों के साथ कूटनीतिक तरीके से बातचीत करने के लिए तैयार हैं। यूक्रेन पर रूस द्वारा हमला करने की आशंका अब भी बनी हुई है और हम हमला करने पर निर्णायक प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, ''आक्रमण की आशंका अब भी बनी हुई है, इसलिए मैंने कई बार कहा है कि सभी अमेरिकी नागरिकों को सुरक्षित लौटने में देर होने से पहले यूक्रेन छोड़ देना चाहिए। हमने अपना दूतावास अस्थायी रूप से कीव से लीव स्थानांतरित कर दिया है। उनका यह बयान तब आया है, जब अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन यूरोप में बढ़ते संकट के बीच क्षेत्र की यात्रा पर रवाना हुए हैं। बाइडन ने कहा कि अमेरिका इस मुद्दे को हल करने के लिए कूटनीतिक तरीके से बातचीत के लिए अब भी तैयार हैं। उसने कहा कि रूस के 1,50,000 से अधिक सैनिक अब भी यक्रेन सीमा पर एकत्र हैं। उन्होंने कहा, ''रूस के रक्षा मंत्रालय ने आज कहा कि यूक्रेन के समीप कुछ सैन्य ईकाइयां अपनी तैनाती छोड़ रही हैं। यह अच्छा होगा लेकिन हमने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है। हमारे विश्लेषकों ने संकेत दिया है कि वे अब भी काफी संख्या में तैनात हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि अगर रूस आने वाले दिनों या हफ्तों में यूक्रेन पर हमला करता है तो यूक्रेन के लिए मानवीय क्षति बहुत ज्यादा होगी और रूस के लिए सामरिक क्षति बहुत ज्यादा होगी। उन्होंने कहा, ''अगर रूस यूक्रेन पर हमला करता है तो पूरा अंतरराष्ट्रीय समुदाय इसकी निंदा करेगा। दुनिया यह नहीं भूलेगी कि रूस ने बिना वजह मौत और बर्बादी चुनी। यूक्रेन पर हमला करना खुद को चोट पहुंचाने वाला साबित होगा। अमेरिका और हमारे सहयोगी निर्णायक रूप से प्रतिक्रिया देंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यूक्रेन में अमेरिकी सैनिकों को भेजने से भी इनकार किया। उन्होंने कहा, ''मैं यूक्रेन में लड़ाई के लिए अमेरिकी सैनिकों को नहीं भेजूंगा। हमने यूक्रेन की सेना को देश की रक्षा करने में मदद करने के लिए उपकरण भेजे हैं। अमेरिका पूरी ताकत के साथ नाटो क्षेत्र की एक-एक इंच जमीन की रक्षा करेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ''द्वितीय विश्वयुद्ध की आवश्यकता थी, लेकिन अगर रूस यूक्रेन पर हमला करता है तो यह मर्जी से किया गया युद्ध या अकारण किया गया युद्ध होगा।

संजय राउत ने 19 बंगलों का मुद्दा इसलिए उठाया ताकि रश्मि ठाकरे का पत्र सार्वजनिक हो जाए: सोमैया

एजेंसी ।

भारतीय जनता पार्टी के नेता किरीट सोमैया ने बुधवार को पलटवार करते हुए कहा कि शिवसेना सांसद संजय राउत ने कोरलाई गांव में 19 बंगलों के पुराने विवाद का हवाला इसलिए दिया क्योंकि राउत के मन में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और उनके परिजनों के प्रति दुर्भावना है। सोमैया ने कहा कि राउत के विरुद्ध कुछ आरोप लगे थे तब ठाकरे और उनके परिवार ने उनका साथ नहीं दिया था। मुंबई से पूर्व सांसद सोमैया ने नयी दिल्ली में संवाददाताओं से कहा कि सभी यह तथ्य जानते हैं कि उद्धव की पत्नी रश्मि ठाकरे ने 19 बंगले विवाद के संबंध में रायगढ़ जिले की कोरलाई ग्राम पंचायत से लिखित में माफी मांगी थी। सोमैया ने कहा, लेकिन शिवसेना नेता संजय राउत ने मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन में 19 बंगलों का मुद्दा इसलिए उठाया क्योंकि वह रश्मि ठाकरे का पत्र सार्वजनिक करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, राउत के मन में ठाकरे के प्रति दुर्भावना है क्योंकि जब मैंने उनके (राउत) और उनके दोस्तों और रिश्तेदारों के विरुद्ध आरोप लगाए थे तब ठाकरे के परिवार का कोई सदस्य उनके साथ नहीं खड़ा था। मैंने 19 बंगले का मुद्दा जनवरी 2021 में उठाया था लेकिन पिछले कुछ महीने में इस पर चर्चा भी नहीं हुई। उन्होंने कहा कि राउत ने प्रेस वार्ता के दौरान, मुंबई में कोविड देखभाल केंद्रों के आवंटन में घोटाले का मुद्दा जानबूझकर नहीं उठाया बल्कि इन बंगलों के बारे में कहा। सोमैया ने मुंबई में कोविड देखभाल केंद्रों के आवंटन में घोटाले का आरोप लगाया था और मंगलवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने कहा, लोगों को संजय राउत से उस पत्र के बारे में पूछना चाहिए जो रश्मि ठाकरे ने 19 बंगले मामले में माफी मांगते हुए कोरलाई ग्राम पंचायत को सौंपा था।

भारत की अर्थव्यवस्था बड़े देशों में सबसे तेज गति से बढ़ेगी: वित्त मंत्रालय

एजेंसी ।

वित्त मंत्रालय की मासिक आर्थिक समीक्षा के मुताबिक आम बजट 2022-23 में सरकार द्वारा की गई विभिन्न पहलों के बल पर भारतीय अर्थव्यवस्था बड़े देशों में सबसे तेज गति से वृद्धि दर्ज करेगी। समीक्षा रिपोर्ट में कहा गया है, पीएलआई योजनाओं और बुनियादी ढांचे में सार्वजनिक पूंजीगत निवेश के चलते विनिर्माण और निर्माण क्षेत्र वृद्धि के मुख्य वाहक होंगे। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि प्रधानमंत्री किसान योजना के जरिए लाभकारी न्यूनतम समर्थन मूल्य और आय हस्तांतरण से कृषि क्षेत्र में भी लगातार वृद्धि देखने को मिल रही है। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत अभी तक एकमात्र बड़ा और प्रमुख देश है, आईएमएफ ने जिसका वृद्धि अनुमान 2022-23 के लिए बढ़ाया है। गौरतलब है कि आईएमएफ ने वर्ष 2022 के लिए अपने वैश्विक वृद्धि अनुमान को घटा दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के लोगों के लचीलेपन और उसकी नीति निर्माण की दूरदर्शिता के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था के 2022-23 में दुनिया के बड़े देशों के बीच सबसे तेजी से बढ़ने का अनुमान है, जबकि यह 2020-21 में 6.6 प्रतिशत घटी थी। जबकि यह 2020-21 में 6.6 प्रतिशत घटी थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि आम बजट 2022-23 ने पिछले बजट में तय दिशा को मजबूत किया है।

प्लास्टिक के डिब्बे में फंसा तेंदुए का सिर, 48 घंटे बाद निकाला गया बाहर

नेशनल डेस्क। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक तेंदुए का सिर प्लास्टिक के, पानी भरने के एक डिब्बे में फंस गया और करीब 48 घंटे की पीड़ा के बाद उसे मुक्त करा लिया गया। वन अधिकारियों, स्वयंसेवकों और ग्रामीणों ने चुनौतीपूर्ण तलाश एवं बचाव अभियान चलाकर तेंदुए को बचाया। प्लास्टिक के डिब्बे में सिर फंस जाने से तेंदुआ काफी परेशान हो गया था क्योंकि लगभग दो दिन से वह न ढंग से सांस ले पा रहा था और न ही खा पी रहा था। वन विभाग के एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि ठाणे जिले के बदलापुर गांव के समीप वहां से गुजर रहे एक व्यक्ति ने रविवार की रात को देखा कि तेंदुए का सिर प्लास्टिक के पानी भरने के डिब्बे में फंस गया है। उस व्यक्ति ने अपनी कार से तेंदुए का वीडियो बनाया, जिसमें देखा जा सकता है कि तेंदुआ डिब्बे से अपना सिर निकालने की कोशिश कर रहा है। बहरहाल, बचावकर्ताओं के घटनास्थल पर पहुंचने से पहले तेंदुआ जंगल की ओर चला गया। इसके तुरंत बाद वन विभाग, संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान के अधिकारियों और रेस्किंग एसोसिएशन फॉर वाइल्डलाइफ वेलफेयर के सदस्यों तथा कुछ ग्रामीणों ने तलाश एवं बचाव अभियान शुरू किया। मंगलवार की रात को तेंदुए को फिर से बदलापुर गांव के समीप देखा गया। संस्थापक पवन शर्मा ने कहा कि तेंदुए को बेहोश करने वाली एक गोली मारी गयी ।

तमिलनाडु में कोरोना प्रतिबंधों में ढील, प्ले और नर्सरी स्कूल खुले

नेशनल डेस्क। तमिलनाडु में कोविड मामलों में आई गिरावट को देखते हुए बुधवार से प्रतिबंधों में और अधिक ढील दे दी गई और एलकेजी, यूकेजी, प्ले और नर्सरी स्कूल दो साल के अंतराल के बाद फिर से खोले गये। मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने बुधवार से दो मार्च तक कोविड लॉकडाउन के विस्तार के साथ प्रतिबंधों में छूट देने की घोषणा की। इस संबंध में जारी एक सरकारी आदेश में कहा गया है कि सामाजिक, सांस्कृतिक और सार्वजनिक सभाओं पर मौजूदा प्रतिबंध जारी रहेंगे। आदेश के मुताबिक शादी-विवाह संबंधित सभा में 200 से अधिक मेहमानों के शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी, जबकि अंतिम संस्कार में 100 लोग शामिल हो सकेंगे। आदेश के अनुसार संक्रमण को रोकने के लिए उपरोक्त प्रतिबंधों को छोड़कर लगाए गए अन्य सभी प्रतिबंध आज से वापस ले लिए गए हैं। प्ले स्कूल और नर्सरी स्कूलों ने आज से काम करना शुरू कर दिया है। इसके अलावा सभी प्रदर्शनियों को भी आयोजित करने की अनुमति दी गई है। सरकार ने 100 प्रतिशत क्षमता के साथ सिनेमाघरों के संचालन की इजाजत भी दे दी है तथा शॉपिंग मॉल और वाणिज्यिक लोगों को फेस मास्क पहनने, सार्वजनिक स्थानों पर सामाजिक दूरी बनाए रखने और वैक्सीन की दोनों डोज लेने की सलाह दी गई है।

सरकार बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों को समाज के प्रति जवाबदेह बनाना चाहती है: चंद्रशेखर

एजेंसी ।

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने बुधवार को फेसबुक और गूगल जैसी बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों को उस समाज के प्रति जवाबदेह बनाने की जरूरत बतायी, जहां वे काम कर रही हैं। इसको लेकर उन्होंने वैश्विक स्तर पर समन्वय का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अगर देश कुछ जिम्मेदारी तय कर रहा है , तो इसे ' अभिव्यक्ति के खिलाफ कदम नहीं समझा जाना चाहिए। चंद्रशेखर ने यह भी संकेत दिया कि व्यक्तिगत जानकारी के संरक्षण को लेकर विधेयक में देरी होगी क्योंकि सरकार कानून को लेकर जल्दबाजी में ऐसा कदम नहीं उठाना चाहती जिससे बाद में इसमें बार - बार संशोधन की जरूरत पड़े। सरकार की तरफ से घरेलू जरूरतों के अनुसार यूट्यूब , ट्विटर और फेसबुक जैसे मंचों से बार - बार सामग्री हटाये जाने के अनुरोध को लेकर कुछ तबकों में चिंता जतायी जा रही है और इसे अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला बताया जा रहा है। इस लिहाज से मंत्री का बयान महत्वपूर्ण है। चंद्रशेखर ने सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों के शीर्ष संगठन नैसकॉम के सालाना कार्यक्रम में कहा , '' अगर हम बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों को समुदाय और समाज के प्रति जवाबदेह बनाना चाहते हैं , जहां वे काम कर रही हैं , इसके लिये देशों को सहयोग करने की जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि जो देश स्वयं को लोकतांत्रिक और खुला समाज बताते हैं और जहां इंटरनेट की खुली पहुंच हैं , उन्हें साथ आना चाहिए तथा साइबर अपराध एवं साइबर सुरक्षा जैसे मसलों पर रूपरेखा बनाने को लेकर सहयोग करना चाहिए। नैसकॉम अध्यक्ष देबजानी घोष के एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने संकेत दिया कि निजी जानकारी संरक्षण से जुड़े विधेयक को पारित होने में समय लग सकता है। घोष ने इस बात पर जोर दिया था कि निजी जानकारी संरक्षण और साइबर सुरक्षा पर कानून जल्द पारित होने चाहिए। चंद्रशेखर ने कहा कि संसदीय समिति ने विधेयक को मंजूरी दे दी है। लेकिन उनके मंत्रालय को विधेयक के समर्थन और विरोध में कई सुझाव मिले हैं।

इस साल विज्ञापन खर्च के मामले में टेलीविजन को पीछे छोड़ देगा डिजिटल

एजेंसी ।

भारत में विज्ञापन खर्च वर्ष 2022 में 22 प्रतिशत की दर से बढ़कर 1.08 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच जाने का अनुमान है। इस दौरान डिजिटल माध्यमों पर विज्ञापन व्यय टेलीविजन को भी पीछे छोड़ देगा। मीडिया एजेंसी ग्रुपम की तरफ से मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में यह अनुमान जताया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2021 में भारतीय विज्ञापन राजस्व 26.5 प्रतिशत की दर से बढ़कर 88,334 करोड़ रुपए रहा था। महामारी से बुरी तरह प्रभावित वर्ष 2020 की वजह से निम्न आधार प्रभाव रहा है। रिपोर्ट कहती है कि साल 2022 में डिजिटल मंचों का विज्ञापन राजस्व 33 प्रतिशत की दर से बढ़कर 48,603 करोड़ रुपए पहुंचने की संभावना है। वर्ष 2021 में भी डिजिटल मीडिया का विज्ञापन व्यय 38 प्रतिशत बढ़ा था। इसकी तुलना में विज्ञापनों के पसंदीदा माध्यम रहे टेलीविजन पर विज्ञापन व्यय 15 प्रतिशत की ही दर से बढ़कर 42,388 करोड़ रुपए रहने की संभावना इस रिपोर्ट में जताई गई है। ग्रुपम के मुख्य कार्यकारी (दक्षिण एशिया) प्रशांत कुमार ने कहा, ''महामारी की वजह से विज्ञापन राजस्व के मामले में डिजिटल की तरफ झुकाव दिखा है। विज्ञापनदाता इस माध्यम को आगे भी अधिक तरजीह देने के इच्छुक नजर आ रहे हैं। वहीं अपने परिचालन व्यय के लिए काफी हद तक विज्ञापन राजस्व पर निर्भर प्रिंट मीडिया में विज्ञापन व्यय के इस साल करीब पांच प्रतिशत बढ़कर 12,667 करोड़ रुपए रहने का अनुमान है ।

पुलिस के हाथ लगी सफलता, जैश आतंकवादी समूह के लिए काम करने वाले 10 लोगों को किया गिरफ्तार

एजेंसी ।

जम्मू कश्मीर पुलिस की प्रदेश खुफिया एजेंसी ने प्रतिबंधित आतंकवादी समूह जैश-ए-मोहम्मद के लिए काम करने के आरोप में 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। स्ङ्घ जम्मू-कश्मीर पुलिस की नव गठित शाखा है। स्ङ्घ के अधिकारियों ने कश्मीर के दक्षिण और मध्य जिलों में विभिन्न स्थानों पर रात भर छापे मारे और दस लोगों को गिरफ्तार किया गया। स्ङ्घ का हाल में गठन किया गया और एजेंसी को आतंकवाद तथा अलगाववाद से जुड़े अपराधों की जांच का जिम्मा सौंपा गया है। अधिकारियों ने बताया कि स्ङ्घ की जांच के दौरान प्रतिबंधित आतंकी समूह की ''स्लीपर सेल्स या समूह के लिए काम कर रहे 10 लोगों की पहचान की गई। उनमें से कोई भी एक-दूसरे की गतिविधियों से अवगत नहीं था और वे सीधे जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी कमांडरों से निर्देश ले रहे थे। एक अधिकारी ने बताया कि इस मॉड्यूल के लोग इस तरह काम कर रहे थे कि अगर एक सदस्य पकड़ा भी जाए तो बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ न हो। इस मॉड्यूल का लगातार निगरानी के जरिए पता लगाया गया। जिन लोगों को गिरफ्तार किया गया है वे युवाओं की भर्ती करने, पैसों का इंतजाम करने और दक्षिण तथा मध्य कश्मीर में हथियारों को पहुंचाने में शामिल थे। अधिकारियों ने बताया कि तलाशी के दौरान सेल फोन, सिम कार्ड, बैंकों में लेनदेन संबंधी रिकॉर्ड तथा एक डमी पिस्तौल भी जब्त की गई।

उन्होंने बताया कि इन लोगों का मकसद दक्षिण तथा मध्य कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियों का वित्त पोषण करना और स्कूल तथा कॉलेज जाने वाले छात्रों की भर्ती करना था।

माघ पूर्णिमा पर 4.50 लाख लोगों ने गंगा जी में लगाई आस्था की डुबकी

एजेंसी ।

संगम नगरी प्रयागराज में माघ मेले के पांचवें स्नान पर्व माघी पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार को सुबह 11 बजे तक लगभग 4.50 लाख लोगों ने गंगा और संगम में स्नान किया। प्रयागराज मेला प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि भोर से ही श्रद्धालुओं का संगम क्षेत्र में आना जारी है और सुबह 11 बजे तक करीब 4.50 लाख लोगों ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई, जिसमें बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं शामिल हैं । माघी पूर्णिमा स्नान के साथ कल्पवासियों का एक माह का कल्पवास (संगम के तट पर रहकर वेदाध्ययन और ध्यान एवं पूजा करना) बुधवार को पूरा हो गया और उन्होंने मेला क्षेत्र से अपने घरों के लिए प्रस्थान शुरू कर दिया है। माघी पूर्णिमा का मुहूर्त रात्रि 10- 25 बजे तक है और लोगों के देर शाम तक गंगा स्नान करने की संभावना है। माघ मेला क्षेत्र में शिविर के आयोजक पंडित प्रभात पांडेय ने बताया कि माघ मास की पूर्णिमा को धर्म ग्रंथों में माघी पूर्णिमा कहा गया है और इस दिन गंगा स्नान कर विष्णु भगवान की पूजा करने और इसके पश्चात पितरों का श्राद्ध करने का विधान है। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने बताया कि माघ मेले के अंतिम स्नान पर्व माघी पूर्णिमा पर माघ मेला क्षेत्र में पुलिस की चाक चौबंद व्यवस्था की गई है। लगभग 5,000 पुलिसकर्मियों को यहां तैनात किया गया है और 150 से अधिक छ्वष्टञ्जङ्क कैमरे लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि आग के खतरों से निपटने के लिए दमकल की कई गाड़ियां और लोगों को पानी में डूबने से बचाने के लिए 108 गोताखोरों की टीम तैनात की गई हैं।

पुलिस अधीक्षक (माघ मेला) राजीव नारायण मिश्र ने बताया कि माघ मास समाप्त होने के बाद कल्पवासियों की सुगम एवं सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए 15 फरवरी की रात 12 बजे से 17 फरवरी को रात्रि 10 बजे तक संगम क्षेत्र में प्रशासनिक एवं एंबुलेंस को छोड़कर सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित किया गया है।

राजस्थान में कोरोना के सक्रिय मामलों में आई कमी

इंदौर। । राजस्थान में कोरोना के सक्रिय मामले 1,006 घटकर 17,976 हो गये है। वहीं कोरोना मुक्त होने वालों की संख्या 12,40,815 हो गयी है तथा मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 9481 हो गया है। आंध्र प्रदेश में सक्रिय मामले 2,176 घटकर 12,550 रह गये हैं। राज्य में इस जानलेवा वायरस को मात देने वालों की संख्या बढ़कर 22,86,575 हो गयी है। इस दौरान चार और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 14702 हो गयी है। उत्तर प्रदेश में कोरोना के सक्रिय मामले 1472 घटकर 12,524 रह गये हैं और संक्रमण से निजात पाने वालों की कुल संख्या 2024661 हो गयी है, वहीं मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 23404 तक पहुंच गया है। पूर्वोत्तर राज्य मिजोरम में सक्रिय मामले घटकर 11,469 रह गये हैं और कोरोनामुक्त होने वालों की कुल संख्या 1,88,528 हो गयी है, जबकि यहां मृतकों का आंकड़ा 638 है। गुजरात में सक्रिय मामले घटकर 11,195 रह गये हैं तथा अब तक 11,95,292 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं और मृतकों की संख्या 10830 तक पहुंच गयी है। पश्चिम बंगाल में इस दौरान सक्रिय मामले 996 घटकर 10,630 रह गये हैं तथा 21 और मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 21,061 हो गया है। राज्य में अभी तक 19,79,878 मरीज संक्रमण मुक्त हो चुके हैं। ओडिशा में कोरोना के 768 सक्रिय मामले घटने से इनकी कुल संख्या 8,653 रह गयी है। राज्य में कोरोनामुक्त होने वालों की संख्या 12,61,467 हो गयी है तथा मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 8,926 हो गया है। तेलंगाना में सक्रिय मामले 1,527 घटकर 8,379 रह गये हैं, जबकि मृतकों का आंकड़ा 4107 पर स्थिर है। वहीं 7,72,145 लोग इस महामारी से निजात पा चुके हैं। पर्वतीय राज्य उत्तराखंड में कोरोना के सक्रिय मामले घटकर 6,553 रह गये हैं ।

संक्षिप्त समाचार

ढाई साल में 5.77 करोड़ ग्रामीण परिवारों को नल से पहुंचाया गया जल...जल शक्ति मंत्रालय ने दी जानकारी

इंदौर। देश में हर घर तक नल से जल पहुंचाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे जल जीवन मिशन के तहत ढाई साल की अवधि में 5.77 करोड़ ग्रामीण परिवारों को नल से पेयजल पहुंचाया गया और अब 9 करोड़ परिवारों को यह सुविधा मिल रही है। जल शक्ति मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, वर्ष 2024 तक हर घर तक नल से जल पहुंचाने के उद्देश्य से 15 अगस्त 2019 को जल जीवन मिशन की घोषणा की गई थी। उस समय भारत में केवल 3.23 करोड़ परिवारों (17 प्रतिशत) को नल से जल प्राप्त हो रहा था । जल शक्ति मंत्रालय ने बताया कि इसके बाद करीब ढाई साल के दौरान 5.77 करोड़ ग्रामीण परिवारों तक नल से पेयजल पहुंचाया गया और अब नौ करोड़ ग्रामीण परिवारों को यह सुविधा प्राप्त हो गई है । जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने ट्वीट किया, '' ग्रामीण भारत में हर घर जल तेजी से हकीकत बन रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास की सोच के साथ जल जीवन मिशन से भारत के सुदूर हिस्सों में लोगों का जीवन आसान हो रहा है और ग्रामीण महिलाओं को सम्मानपूर्ण जीवन मिल रहा है । मंत्रालय के अनुसार, पांच वर्ष के दौरान प्रत्येक ग्रामीण परिवार तक नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है और इस उद्देश्य से वर्ष 2022-23 के केंद्रीय बजट में 3.8 करोड़ ग्रामीण परिवारों तक नल से जल पहुंचाने के लिए 60 हजार करोड़ रूपये आवंटित किए गए हैं ।

केरल हाईकोर्ट ने पम्बा में रामकथा आयोजित करने के लिए दिल्ली न्यास को दी गई अनुमति रद्द की, तंबू हटाने के आदेश

इंदौर। केरल हाईकोर्ट ने त्रावणकोर देवस्वम बोर्ड द्वारा पथानमथिट्टा जिले के पम्बा-त्रिवेणी मनालप्पुरम इलाके में नौ दिवसीय रामकथा का आयोजन करने के लिए दिल्ली के एक न्यास को दी गई इजाज़त बुधवार को खारिज कर दी। जस्टिस अनिल नरेंद्रन और जस्टिस पी जी अजीत कुमार की पीठ ने कहा कि इस स्थल का इस्तेमाल दर्शन या तीर्थ के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की सहूलियत के लिए किया जाना चाहिए, लिहाजा, वहां सिर्फ न्यास के समर्थकों के लिए किसी कार्यक्रम की इजाजत नहीं दी जा सकती है। हाईकोर्ट ने दिल्ली के नंदकिशोर बजोरिया चेरिटेबल ट्रस्ट को यह भी निर्देश दिया कि वह वहां से तंबू और बाड़ जैसे सभी अस्थायी ढांचे हटा लें। न्यास ने स्पष्ट किया है कि के मद्देनजर प्रस्तावित कार्यक्रम सिर्फ उसके सदस्यों के लिए आयोजित किया जाना था।

नोएडा में ईवीएम को लेकर सतर्कता बरत रही है पुलिस

इंदौर। नोएडा के फेस-2 फूल मंडी में स्थित मतगणना केंद्र पर रखी गई ईवीएम की सुरक्षा को लेकर पुलिस लगातार सतर्कता बरत रही है। मध्य जोन के पुलिस उपायुक्त ने ईवीएम की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर 'स्ट्रॉन्ग रूम का निरीक्षण किया । पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि मंगलवार देर रात को पुलिस उपायुक्त हरीश चंदर ने फेस-2 थाना क्षेत्र के अंतर्गत ईवीएम की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नवीन फूल मंडी में बने स्ट्रॉन्ग रूम का निरीक्षण किया। उन्होंने नवीन फूल मंडी के सभी प्रवेश द्वारों पर जाकर सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया तथा वहां ड्यूटी पर मौजूद सुरक्षा कर्मियों को किसी भी संदिग्ध वाहन/व्यक्ति को अंदर प्रवेश ना करने का निर्देश दिया। उन्होंने सीआरपीएफ के जवानों से भी बातचीत की और सीसीटीवी कैमरों का भी निरीक्षण किया। स्ट्रॉन्ग रूम परिसर की 24 घंटे लाइव रिकॉर्डिंग हो रही है।

ठाणे में कोविड-19 के सामने आए 109 नए मामले, तीन और मरीजों की हुई मौत

इंदौर। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में 109 और लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद संक्रमितों की संख्या बढ़कर 7,07,425 हो गयी है तथा तीन और मरीजों की मौत होने के बाद मृतक संख्या बढ़कर 11,852 हो गई है। एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि संक्रमण और मौत के ये नए मामले मंगलवार को सामने आए। उन्होंने कहा कि ठाणे में मृत्यु दर 1.67 प्रतिशत है। वहीं, एक अन्य अधिकारी ने बताया कि पड़ोसी पालघर जिले में संक्रमितों की संख्या 1,63,168 हो गयी है और कोविड-19 से जान गंवाने वालों की कुल संख्या 3,390 है।

भारत को भी सताया यूक्रेन का खतरा! इंदौर के 25 विद्यार्थी फंसे, चिंतित परिजनों ने सरकार से लगाई मदद की गुहार

इंदौर। रूस के आक्रमण के खतरे के बीच यूक्रेन में इंदौर के कम से कम 25 विद्यार्थी फंस गए हैं और उनके चिंतित परिजनों ने भारत सरकार से उनकी जल्द से जल्द स्वदेश वापसी में मदद की गुहार की है। इंदौर के लोकसभा सांसद शंकर लालवानी ने बुधवार को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पिछले दो-तीन दिन में इंदौर के करीब 25 लोगों ने मुझसे संपर्क कर मुझे बताया है कि यक्रेन में पढ़ रही उनकी संतानें वहां फंसी हुई हैं। रूस के आक्रमण के खतरे के चलते ये विद्यार्थी जल्द से जल्द अपने घर लौटना चाहते हैं। लालवानी ने बताया कि वह भारत के विदेश मंत्रालय से संपर्क कर इन विद्यार्थियों की स्वदेश वापसी के प्रयास कर रहे हैं और उन्होंने इस विषय में विदेश मंत्री एस. जयशंकर को एक पत्र भी लिखा है। इंदौर के चिंतित परिजनों में शामिल अखिलेश राव ने बताया कि उनका बेटा प्रणय राव यूक्रेन की टर्नोपिल नेशनल मेडिकल यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रहा है। उन्होंने कहा कि रूसी आक्रमण के खतरे के कारण मैं यूक्रेन में अपने बेटे की सुरक्षा को लेकर चिंतित हूं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

**National Rights Group
Youtube Channel**

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

**भारत में भ्रष्टाचार
के खिलाफ लड़ाई**